

आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

OKEDIA™
Pavitra

रिटेलर और कस्टमर को एक फोन कॉल पर एक दिन में

सुपरफास्ट डिलीवरी

☎ 1800-120-2727



BESAN	DESHI CHAKKI AATA	SHARBATI WHEAT	DESHI WHEAT	SHARBATI SUPERIOR AATA	WHEAT DALIA	SUJI (SEMOLINA)
500 g MRP ₹ 70	5 kg MRP ₹ 250	10 kg MRP ₹ 650	10 kg MRP ₹ 450	5 kg MRP ₹ 350	500 g MRP ₹ 40	500 g MRP ₹ 40

COMING SOON

RICE • WHOLE SPICES • POWDER SPICES • PULSES • EDIBLE OILS • DRY FRUITS • BREWS • SWEETNERS

ORDER
ON WEBSITE



ORDER
ON APP



RETAILERS & CUSTOMERS ALSO ORDER ON WHATSAPP



90704-90704

ORDER
ON WHATSAPP



T&C Apply.

विचार बिन्दु

सेवा से शत्रु भी मित्र हो जाता है। –वाल्मीकि

शहरी हरियाली में मृत्यु दर घटाने का रहस्य छुपा है

यजुर्विद संहिता का एक सूत्र है: हरित्समुच्चयः शुभहेतुरेषः, स्वस्थशरीरंमनसश्चशान्तिम्। विनाशयत्वाशुगदांस्तथाऽन्याः, युजत्ययुर्वेदमथोसमुद्दिम्।। तात्पर्य यह है कि हरियाली का विस्तार शुभ का कारण है। यह शरीर को स्वस्थ बनाती है और मन को शांति प्रदान करती है। यह शीघ्र ही रोगों और अन्य कष्टों को नष्ट करती है और दीर्घायु तथा समृद्धि को उत्पन्न करती है। आज की चर्चा इसके वैज्ञानिक विश्लेषण पर है।

कभी आपने सोचा है कि हमारे आसपास के हरे-भरे पेड़, पार्क और हरियाली हमें कैसे जिंदा रख सकते हैं? यह कहानी एक ऐसे सफर की है जहां विज्ञान और प्रकृति के बीच की अनदेखी डोर ने मानव जीवन को न केवल लंबा किया है, बल्कि इसे शांत और स्वस्थ भी बनाया है। कल्पना कीजिए, एक ऐसा दिन जब शहरों में हरियाली का नामो-निशान मिट चुका हो। हर तरफ केवल कंक्रीट का जंगल, धूल, धुआं और बेचैनी। यही तो आधुनिक शहरीकरण की सच्चाई है, जहां हरियाली कम होती जा रही है। लेकिन विज्ञान ने हमें बताया है कि यह कहानी किसी त्रासदी की ओर बढ़ सकती है। शोध बताते हैं कि जो लोग हरियाली के पास रहते हैं, उनकी मृत्यु दर कम होती है। यह केवल एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की कहानी है।

एक बूढ़ी महिला की कहानी लीजिए, जो शहरी कोलाहल में अपने घर की खिड़की से केवल कंक्रीट की इमारतें देखती है। वह अकेली रहती है, उसका स्वास्थ्य खराब है, और वह अक्सर अस्पताल जाती है। लेकिन एक दिन, उसकी बेटी उसे एक ऐसे घर में ले जाती है, जहां खिड़की के बाहर एक बड़ा बगीचा है। कुछ महीनों में, उसकी मानसिक स्थिति में सुधार होता है, उसकी हृदय गति सामान्य हो जाती है और वह पहले से बेहतर महसूस करने लगती है। यह कहानी केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक है। अध्ययन बताते हैं कि हरियाली हृदय संबंधी बीमारियों, मानसिक तनाव और श्वसन तंत्र पर अद्भुत प्रभाव डालती है।

हरियाली का प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह सामुदायिक स्तर पर भी लाभकारी है। ज़रा सोचिए, एक ऐसा इलाका जहां हरियाली की कमी हो, वहां अपराध दर अधिक होती है। लेकिन जैसे ही एक पार्क का निर्माण होता है, बच्चों के लिए खेलने की जगह मिलती है, वयस्कों के लिए टहलने के रास्ते बनते हैं, क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। यह केवल एक सामाजिक परिवर्तन नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण का विस्तार है।

क्या हरियाली के बिना भी जीवन संभव है? वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें तो नहीं। चीन में एक अनोखा अध्ययन बताता है कि अत्यधिक ठंड या गर्मी से होने वाली मौतों को हरियाली नाटकीय रूप से कम कर सकती है। यह शोध स्पष्ट करता है कि हरियाली केवल सौंदर्य का स्रोत नहीं है, बल्कि यह जीवन रक्षक भी है। हरियाली केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति और दीर्घायु का आधार भी बन सकती है।

दक्षिण एशियाई देशों में हरियाली के महत्व को समझना और भी आवश्यक हो जाता है। शहरीकरण के कारण हरियाली के क्षेत्र सीमित हो गए हैं, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी और संबंधित बीमारियों, जैसे मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप में वृद्धि हुई है। हरियाली को उपयोगी बनाने के लिए डिज़ाइन में सुधार आवश्यक है। उदाहरण के लिए, महिलाओं और बच्चों के लिए सुविधा और सुवष पार्क बनाना, जहां वे बिना किसी डर के टहल सकें।

कम आय वाले और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए हरियाली का सकारात्मक प्रभाव अधिक होता है। गरीब और वंचित समुदाय, जिनके पास स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य संसाधनों तक सीमित पहुंच होती है, हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। यह न केवल स्वास्थ्य असमानताओं को कम करने में मदद करता है, बल्कि सामाजिक समानता को बढ़ावा देने का एक प्रभावी साधन है।

क्या आप जानते हैं कि ब्लू स्पेस (जैसे तालाब, झील) का भी स्वास्थ्य पर प्रभाव हो सकता है? ब्लू और ट्रीन स्पेस का सम्मिलित प्रभाव श्वसन और कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों से होने वाली मृत्यु दर को कम कर सकता है। शोध स्पष्ट करता है कि पानी और हरियाली के बीच का यह जुड़ाव हमारी सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है।

अब जरा एक छोटे लड़के की कल्पना करें, जो बड़े शहर में हरियाली के बिना पला-बढ़ा है। उसकी श्वसन समस्याएं बढ़ जाती हैं, और वह अक्सर अस्पताल जाता है। लेकिन जब वह एक गांव में अपने दादा-दादी के पास जाता है, जहां हर तरफ पेड़ और खेत हैं, तो उसका स्वास्थ्य बेहतर हो जाता है। यह सिर्फ एक कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है। अध्ययनों ने दिखाया है कि हरियाली केवल बीमारी को रोकने का साधन नहीं है, बल्कि यह पुनर्वास और उपचार का भी एक प्रभावी माध्यम हो सकती है।

नीचे प्रस्तुत शोध के आंकड़े और उनके निष्कर्षों में हरियाली और स्वास्थ्य के बीच संबंधों पर व्यापक और समग्र विवरण देखा जा सकता है।

अलकानो और साथियों (Environmental Research: 216, 2023) ने 538 नमूनों पर अध्ययन किया। उन्होंने गर्भावस्था के दौरान माताओं के हरियाली के संपर्क का नवजात शिशुओं के डीएनए मिथाइलेशन पर प्रभाव देखा। 147 डिफरेंशियल मिथाइलेटेड क्षेत्र की पहचान की गई, जिनमें से 85 क्षेत्रों ने प्रदूषण, सड़क की दूरी, शहरीकरण और पड़ोस की आय जैसे कारकों के बावजूद भी महत्वपूर्ण परिणाम दिखाए। यह अध्ययन हरियाली और आनुवंशिक प्रभावों के बीच संबंध को रेखांकित करता है।

कामी-बर्नल और साथियों (Health and Place: 82, 2023) ने हरियाली और टाइप-2 मधुमेह के बीच संबंध पर 13 कोहोर्ट अध्ययनों का विश्लेषण किया, जिनमें 1,700 से 19,22,545 प्रतिभागी शामिल थे। उन्होंने पाया

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज, और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है।

(हरियाली का माप) में 0.1 की वृद्धि से कार्डियोवैस्कुलर मृत्यु दर में 2-3 प्रतिशत की कमी होती है। अधिकारी और साथियों (The Lancet Planetary Health, 4, e135-e136, 2020) ने दक्षिण एशिया के संदर्भ में हरियाली और स्वास्थ्य का अध्ययन किया। उन्होंने यह पाया कि शहरीकरण के कारण हरियाली की कमी मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों को बढ़ाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हरियाली के डिज़ाइन और उसकी उपलब्धता में सुधार के लिए नीतिगत प्रयासों की आवश्यकता है। बर्टैंड और साथियों (Public Health, 200:91-98, 2021) ने 13 एक्सपोजर-रिस्पॉन्स फंक्शन का उपयोग किया और निष्कर्ष निकाला कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर के जोखिम अनुपात को 0.96 तक कम कर सकती है। कुआ और ली (Perspectives in Public Health, 141: 342-353, 2021) ने 20 अध्ययनों (133,363 प्रतिभागी और 202 मिलियन व्यक्ति) का विश्लेषण किया और पाया कि हरियाली का अधिक संपर्क सामान्य मृत्यु दर को 3 प्रतिशत तक कम कर सकता है।

झोउ और साथियों (Sustainable Cities and Society, 116, 2024) ने 21 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि ब्लू और ग्रीन स्पेस का संयुक्त प्रभाव श्वसन और हृदय संबंधी मृत्यु दर को कम करता है। ही और साथियों (Science of the Total Environment, 851, 2022) ने 138,749स्ट्रोक से संबंधित मौतों का अध्ययन किया और निष्कर्ष निकाला कि हरियाली ने ठंड और गर्मी से संबंधित स्ट्रोक मृत्यु दर को कम किया। उच्च एनडीवीआई नैविशेष रूप से गर्मी के प्रभाव को कम करने में सहायता की। रिगोलो और साथियों (International Journal of Environmental Research and Public Health, 18: 1-29, 2021) ने 90 अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि गरीब और वंचित समुदाय हरियाली से अधिक लाभान्वित होते हैं। हरियाली इन समुदायों में स्वास्थ्य असमानताओं को कम करती है।

रॉजस-रुफ़डा और साथियों (The Lancet Planetary Health, 3:e469-e477, 2019) ने 8.3 मिलियन प्रतिभागियों पर नौ अध्ययनों का विश्लेषण किया और पाया कि एनडीवीआई में 0.1 की वृद्धि सामान्य मृत्यु दर को 4 प्रतिशत तक कम कर सकती है।

स्मिथ और साथियों (Cities, 119, 2021) ने ब्लू स्पेस के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए पाया कि ब्लू स्पेस का संपर्क मोटापे और सामान्य मृत्यु दर में सुधार करता है।

युआन और साथियों (Aging Clinical and Experimental Research, 33:1783-1797, 2021) ने बुजुर्ग व्यक्तियों पर हरियाली के प्रभाव का अध्ययन किया और पाया कि हरियाली का संपर्क सामान्य और स्ट्रोक मृत्यु दर को कम करता है।

इसी प्रकार जरे सखाविदि इत्यादि (Science of the Total Environment, 838, 156180, 2022) द्वारा हरियाली और कैसर के संबंध पर 18 अध्ययनों का मेटा-विश्लेषण बताया है कि फेफड़ों और अन्य प्रकार के कैसर पर हरियाली के सकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले।

इन शोधों ने हरियाली के व्यापक लाभों को दर्शाया है, जिसमें मृत्यु दर में कमी, स्वास्थ्य सुधार और सकारात्मक असमानताओं को कम करने की क्षमता शामिल है। यह स्पष्ट है कि हरियाली मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

लेकिन हम इस ज्ञान का उपयोग कैसे कर सकते हैं? व्यक्तिगत स्तर पर, हम अपने आस-पास अधिक से अधिक पौधे लगा सकते हैं। पड़ोस के पार्क में नियमित रूप से समय बिताना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाल सकता है। जैसा कि यजुर्विद संहिता में कहा गया है: वनंप्रविश्यप्रचलन्ति ये ते, धृतिलभन्तेहृदये सदा वै। तनुः सुदुह्यामनसः प्रसादं, विधायत्येव्यमन्येत्यथाश्वा।। तात्पर्य यह है कि वन में प्रवेश करके जो लोग पैदल भ्रमण करते हैं, वे सदा अपने हृदय में स्थिरता (धैर्य और शक्ति) प्राप्त करते हैं। उनका शरीर सुदृढ़ होता है और मन प्रसन्न हो जाता है। इस प्रकार, वन को सेवन करते हुए (वन में नियमित भ्रमण करते हुए), शारीरिक और मानसिक दुखों और कष्टों को शांति किया जा सकता है।

बच्चों को प्रकृति के संपर्क में लाना, उन्हें पेड़ों और हरियाली के महत्व के बारे में सिखाना भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि हरियाली को शहरी योजना का अभिन्न हिस्सा बनाया जाए। पार्क का निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर हरियाली बसावना, और ब्लू-ग्रीन स्पेस का प्रबंधन इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। इसके साथ ही, सामाजिक असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए, जो गरीब और वंचित समुदायों के लिए अधिक सुलभ हों।

हरियाली का महत्व केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह हमारी संस्कृति, हमारे समाज, और हमारे अस्तित्व का आधार है। यह हमें न केवल जिंदा रखती है, बल्कि हमें जीवन जीने का तरीका भी सिखाती है। यह समय है कि हम इस ज्ञान को अपनाएं और अपने जीवन में हरियाली को स्थान दें। आखिरकार, यह केवल पेड़ों और पौधों की बात नहीं है; यह हमारे जीवन की बात है। आइए, इसे संजोएं और संरक्षित करें।

—अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीपा नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और सांभूमिक कल्याण के सिद्धांत से प्रेरित हैं)



डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए हाईपाॅवर डेमोग्राफी मिशन की घोषणा कर देश के सीमावर्ती जिलों में अवैध घुसपैठियों और अन्य कारणों से देश में आ रहे डेमोग्राफी बदलाव की समस्या के समाधान की आश बंधी है। देश के कुछ हिस्सों खासतौर से सीमावर्ती जिलों में आबादी असंतुलन से बड़ी समस्या होती जा रही है। डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक लाभ हानि की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए अपितु जो तत्क्षरी देश में सामने आ रही है उससे सबसे बड़ी और गंभीर समस्या सीमावर्ती क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर आ गई है।

हालांकि राजनीतिक दल वोट बैंक के चलते बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं सहित अवैध प्रवास कर रहे लोगों के पक्ष में आ जाते हैं पर यह सीधा-सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा होता जा रहा है। पिछले दिनों अमेरिका के लॉस एंजल्स की घटना पर ध्यान दिया जाना जरूरी है जहां वाहनों की जलाते और लूटपाट मचाकर कानून व्यवस्था को ही

तहश-नहस करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। फ्रांस में भी इस तरह की घटनाएं होती रही हैं। रवांडा, पश्चिमी वाल्ट्मिक, यारोपीय देश आदि दुनिया के अनेक देश इस समस्या से दो चार होते रहे हैं। अमेरिका के चुनाव परिणामकिस तरह से लॉस एंजिल्स में प्रभावित होते हैं वह सबके सामने हैं। हमारे देश में पश्चिमी बंगाल, असम, बिहार, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, झारखण्ड आदि कई दृष्टि से प्रभावित हो रहे हैं। बांग्लादेशी, रोहिंग्या अवैध घुसपैठ कर देश के हर कोने में आसानी से पहुंच रहे हैं और जब किसी तरह की घटना होती है तो इनके द्वारा आतंक और अशांति फैलाई जाती है वह भी किसी से नहीं है।

दुनिया के देशों में अवैध घुसपैठियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाती है। चीन जैसे देश तो इतने कठोर कदम उठाते हैं कि कभी पता ही नहीं चल सकता की स्वतंत्रता क्या होती है उसका पता ही नहीं चलता। अफगान सीमा पर तो गोली मार दी जाती है। क्यूबा में राजनीतिक जेल में बंद हो जाते हैं। सऊदी अरब में भी जेल में बंद कर दिया जाता है। ठीक इसके विपरीत हमारे हालात हैं। हमारे यहां राजनीतिक संरक्षण मिल जाता है। सोशल एक्टिविस्ट सक्रिय हो जाते हैं। हमारे यहां तो अवैध कब्जा, राशनकार्ड, निःशुल्क सुविधाओं से लाभान्वित करवाने वाले सक्रिय हो जाते हैं। सच में देखा जाए तो राष्ट्रीय सुरक्षा से एक तरह से लेना देना ही नहीं रहता। यही कारण है कि बांग्लादेशी हो या रोहिंग्या हो या पाकिस्तान परस्त्र लोग देश की सुरक्षा और अशांति फैलाने में कोई कमी नहीं छोड़ते हैं। ज्योंही कहीं पर कोई

कार्रवाई करने को प्रशासन आगे आता है तो इनके बचाव में मानवीयता का नारा उछालने लगते हैं। यह अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण हालात है।

डेमोग्राफी का सबसे पहले प्रयोग 1855 में बेल्जियम के अकिल गुडलार्ड ने अपनी पुस्तक एलिमेंट्स ऑफ ह्युमन डेमोग्राफी में किया। हालांकि जनसांख्यिकी की बात राबर्ट माल्थस 1766 से 1834 में कर चुके हैं और उन्होंने पूरी थ्योरी प्रस्तुत की है। डेमोग्राफिक अध्ययन को दो तरह से समझना पड़ेगा। एक तो सामान्य तौर पर जिस तरह से आयु-धर्म के आधार पर जनसांख्यीय अध्ययन कर विकास की रूपरेखा तैयार की जाती है। यह एक तरह से इस समस्या का समाधान डेमोग्राफिक अध्ययन के परिणामों के आधार पर नीति व योजनाएं बनाकर की जाती है और की जा सकती है। इसके ठीक विपरीत जिस तरह से देश में अराजकता और अशांति फैलाने और घुसपैठ व वर्गीविशेष के कारण जनसंख्या में बदलाव लाकर क्षेत्रीय असंतुलन पैदा करने का प्रयास किया जाता है वह अधिक गंभीर व चिंतीनीय हो जाती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डेमोग्राफी मिशन की घोषणा के निश्चित रुप से राजनीतिक अर्थ निकालने के प्रयास कियेगें। इसे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक द्वारा घुसपैठ और सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध मदरसों आदि द्वारा संचालित गतिविधियों के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है उससे जोड़कर देखने का प्रयास किया जाएगा। यहां इसको भी ध्यान में रखा होगा कि अवैध घुसपैठियों द्वारा सीमावर्ती जिलों में जिस

तरह से आदिवासियों की जमीन और संपत्ती पर कब्जा किया जा रहा है यह भी किसी से छिपा नहीं है।

बीएसएफ और एसएसएफ द्वारा जिस तरह से सरकार को लगातार रिपोर्टें दी जाती रही हैं पहलीबार उसे गंभीरता से लिया जा रहा है। बीएसएफ के पूर्व एडीजी पीके मिश्रा का कहना है कि डेमोग्राफी मिशन को राजनीतिक चरम से नहीं देखा जाना चाहिए यह तो सीधा सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है। आज समूचा देश डेमोग्राफिक समस्या से दो चार हो रहा है। इसे नेपाल, बांग्लादेश, सीमावर्ती इलाकों में मुसलमान और हिंदुओं की आबादी में आ रहे बदलाव आदि से देखा होगा। प्रधानमंत्री की चिंता किसी एक क्षेत्र या सीमा तक नहीं है। इसका बड़ा कारण देश में डेमोग्राफिक समस्या की गंभीरता को समझने से ही होगा। आने वाले दिनों में बिहार, बंगाल आदि में चुनाव होने हैं और राजनीतिक दल इस घोषणा की निश्चित रुप से मुद्दा बनायेंगे, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। पर धरातलीय समस्या से आंख नहीं मूंदी जा सकती। बंगाल की मुर्शिदाबाद, बिहार का किशनगंज, उत्तरप्रदेश का नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र, असम के आदिवासी क्षेत्र, पश्चिमी बंगाल और झारखण्ड के हालात सामने हैं।सीमावर्ती सहित इन क्षेत्रों में मदरसों द्वारा जिस तरह का वातावरण तैयार किया जा रहा है उससे डेमोग्राफी बदलती जा रही है। कश्मिर का उदाहरण हमारे सामने है आज कश्मिरी पंडितों का कश्मिर से विस्थापन हो चुका है।

डेमोग्राफी मिशन के पक्ष विपक्ष में अंतहिन विवाद किया जा सकता है पर

दो टके का सवाल यही है कि देश को किसी भी हालत में आंतरिक व राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर किसी तरह का कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिये। जिस तरह से देश के कई पॉकिट्स में तेजी से डेमोग्राफिक असंतुलन बन रहा है उसे देखते हुए देरी से ही सही पर डेमोग्राफिक मिशन की घोषणा स्वागतীয় है। सभी को दलीय राजनीति से उपर उठकर इसका स्वागत किया जाना चाहिए। यह साफ हो जाना चाहिए कि देश की आंतरिक और सीमावर्ती सुरक्षा को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। कोई भी राष्ट्र इसे स्वीकार भी नहीं करेगा। घुसपैठियों के कारण जिस तरह की समस्याएं और आदिवासियों की भूमि पर कब्जा करने से लेकर देश की आम जनता के लिए लोकहितकारी योजनाओं में सैंध लगा रहे हैं उसे रोकना जाना अतिआवश्यक हो गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस भावना के साथ मिशन की घोषणा की है उसी भावना और संशा के साथ इस मिशन को आकार दिया जाना चाहिए और पूरी कार्ययोजना बनाकर इसे जल्द से जल्द से आकार दिया जाना चाहिए ताकि डेमोग्राफिक मिशन अपना कार्य आरंभ कर सके। डेमोग्राफिक संतुलन व सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही योजनाबद्ध तरीके से असंतुलन के जो प्रयास किये जा रहे हैं उस पर प्रभावी अंकुश लगाया जाना जरूरी है। इसे राजनीतिक विवाद से दूर ही रखा जाना चाहिए। सोशल एक्टिविस्टों को भी राष्ट्रहित को पहली प्राथमिकता देनी ही होगी।

—डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा,
(वरिष्ठ लेखक)

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर अलवर में विद्यार्थियों ने साइंस प्रदर्शनी लगाई

पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय नं.1 में लगाई गई साइंस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने मॉडलों का प्रदर्शन किया

अलवर, (निसं)। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर अलवर में पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय नं.1 में विद्यार्थियों द्वारा अटल टिकरिंग लैब में लगाई गई साइंस प्रदर्शनी का अवलोकन किया एवं शिक्षाविदों से संवाद किया। अटल टिकरिंग लैब में विद्यार्थियों ने आई ओटी डिवाइस, रोबोटिक्स किट व श्री डी प्रिंटर व अन्य उपलब्ध आधुनिक सामग्री की सहायता से लगाई गई साइंस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपने नवोन्मेषी मॉडल का प्रदर्शन किया, जिसको मंत्री यादव ने बारीकी से देखकर विद्यार्थियों की हौसला-अफजाई की। केन्द्रीय मंत्री यादव ने कार्यक्रम के दौरान शिक्षाविदों व विद्यार्थियों से रूबरू होकर कहा कि 23 अगस्त 2023 को चंद्रमा पर चंद्रयान के द्वारा विक्रम लैंडर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रचा था। उसके पश्चात प्रज्ञान रोवर चंद्रमा की सतह पर उतरकर अनुसंधान किया था।

उन्होंने भारत सरकार के अटल नवोन्मेष मिशन के बारे में बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल इसको प्रारम्भ किया, बल्कि इस मिशन के तहत परम्परागत शिक्षा की तुलना में नवाचार व अनुभववात्मक शिक्षा की भावना को युवा पीढ़ी के बीच बनाना है। इसी मिशन में अटल टिकरिंग लैब एक महत्वपूर्ण घटक है जिसके तहत सरकारी स्कूलों में आधुनिक लैब बनाई जा रही है, जिसका उद्देश्य शिक्षा के स्कूली दिनों



केन्द्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव ने साइंस प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

में ही शोध और अनुसंधान के प्रति बच्चों की अभिरुचि जाग्रत करना है। साथ ही समुदाय में शिक्षा की उपलब्धता को जो पीप है उसे फिल करना है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा सभी तक बेसिक शिक्षा पहुंच सके इसके लिए समग्र शिक्षा अभियान चलाया गया था। वर्तमान में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं, अब साक्षर होना नाकाफी है, बल्कि तकनीकी रूप से दक्ष होना भी समय की मांग है।

उन्होंने कहा कि इस विषय को आगे बढ़ाते हुए अलवर जिले में ई-गुरुकूल लाइव्री शुरू करने की एक मुहिम शुरू की है जिसके तहत जिले

के सभी क्षेत्रों में विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक तकनीक पर आधारित डिजिटल शिक्षा मिल सके, जिससे युवा न केवल अपने करिक्ूलम का अध्ययन कर सकेंगे, बल्कि अपने कैरियर से संबंधित शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सांसद निधि कोष का उपयोग करने के साथ सामुदायिक सहयोग की भी आवश्यकता है, जिसमें सामुदायिक ध्यान के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा भी इस कार्य को आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस दौर में बच्चों व युवाओं को खेल मैदान से जोड़ने व उन्हें खेल में आगे बढ़ने

के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से अलवर में अलवर सांसद खेल उत्सव शुरू किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चों व युवाओं की भागीदारी रही। इसमें बेटियों ने भी बहुरहदकर भाग लिया। प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अच्छा प्रशिक्षण दिया जाना भी आवश्यक है। इसके लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को ग्रीष्मकाल अवकाश में अंतरराष्ट्रीय स्तर तक के खेल प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण दिलाने का कार्य किया गया है। साथ ही अलवर पर्यटन को बढ़ाने के उद्देश्य से अलवर टाईगर मैराथन का आयोजन कराया गया, जिसमें देशभर से एथलिटों की भागीदारी रही। अबकी

बार यह मैराथन अंतरराष्ट्रीय स्तर की कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि 29 अगस्त खेल दिवस के अवसर पर एक आयोजन कराया जा रहा है, जिसमें अलवर में केन्द्रीय खेल मंत्री को आमंत्रित किया गया है।

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस से युवा पीढ़ी प्रेरणा लेकर विज्ञान और तकनीकी और अनुसंधान की ओर अग्रसर हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव की प्रेरणा से अलवर में जिला प्रशासन द्वारा ई-विद्या प्रोजेक्ट शुरू किया गया है, जिसके तहत सरकारी स्कूलों में डिजिटल तकनीक पर आधारित ई-लाइब्रेरी विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा मिल सकेगी तथा वो अपने कॉम्पटिंगेरी पंथीशओं को भी तैयारी यहां कर सकेंगे।

प्राचार्य गंगाधर मीणा ने विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत कर विद्यार्थियों में की गई गतिविधियों व अटल टिकरिंग लैब से विद्यार्थियों में विज्ञान व अनुसंधान के प्रति बढ़ रही रूचि के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, एडीएम द्वितीय योगेश डागुप, महासिंह चौधरी, बन्नाराम मीणा, संजय नरुका, धनराम शर्मा, इंद्र यादव, दौलतराम जाटव, चौरमती देवी, अरूण जैन, जितेन्द्र शर्मा, सतीश यादव सहित अनेक प्रबुद्ध व्य्क्ति, शिक्षाविद, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

राशिफल रविवार 24 अगस्त, 2025	
	भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 2:06 तक, शिव योग दिन 12:30 तक, बव करण दिन 11:49 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरु-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में। आज राजयोग दिन 11:49 से रात्रि 2:06 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग और त्रिपुष्कर योग रात्रि 2:06 से सूर्योदय तक है। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति है। आज नक्त व्रत पूर्ण होगा। आज वीर जन्मोत्सव (जैन), प्रथम प्रकाश उत्सव गुरु ग्रन्थ साहिब (प्रा.मत) है। आज से मौन व्रत (जैन) आरम्भ होगा। श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:42 से 9:18 तक, लाभ-अमृत 9:18 से 12:24 तक, शुभ 2:05 से 3:41 तक। राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:06, सूर्यास्त 6:52

मेष	मेष
	परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।
वृष	वृष
	घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।
मिथुन	मिथुन
	परिवार में मन को प्रसन्न करनेवाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।
कर्क	कर्क
	आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित खोले से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह	सिंह
	अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज आवश्यक कार्य योजनानुसार संपन्न हो सकते हैं। परिवार में मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है।
कन्या	कन्या
	आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हाथि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।
तुला	तुला
	आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा।
वृश्चिक	वृश्चिक
	अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु	धनु
	नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वसन प्राप्त होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ-मंगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। आज धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।
मकर	मकर
	चन्द्रमा भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में विफल हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।
कुंभ	कुंभ
	परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सामाजिक-मंगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।
मीन	मीन
	स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

यूरोपीय देश एकजुट होकर अमेरिका के साथ खड़े हुए यूक्रेन के मुद्दे पर

खराब लड्डू बेचे, हलवाई पर जुर्माना

जयपुर, 23 अगस्ता जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-तृतीय ने ग्राहक को सवामणी प्रसादी के लिए खराब लड्डू बेचने पर कंवर नगर निवासी हलवाई संजय कुमार शर्मा पर 11 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। वहीं हलवाई को निर्देश दिया है कि वह ग्राहक को खराब लड्डूओं की कीमत 18,500 रुपए भी ब्याज सहित वापस करे। आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर व सदस्य पवन कुमार भारद्वाज ने यह आदेश मानसरोवर निवासी राकेश गर्ग के परिवाद पर दिया। आयोग ने कहा कि

- जिला उपभोक्ता आयोग ने सवामणी के लिए खराब लड्डू बेचने पर ब्याज सहित कीमत लौटाने तथा 11 हजार रुपये जुर्माना देने के आदेश दिये।

साक्ष्यों से स्पष्ट है कि विपक्षी ने इस बात का खंडन नहीं किया है कि उसके द्वारा दूषित लड्डू नहीं बेचे गए थे। ऐसे में यह विपक्षी को ओर से सेवाओं में कमी और अनफेयर ट्रेड प्रेक्टिस हैं। ऐसे में विपक्षी पर हर्जाना लगाया जाना उचित होगा। मामले के अनुसार, परिवादी ने खोले के हनुमानजी मंदिर में सवामणी प्रसादी के लिए 22 फरवरी 2022 को 50 किलो चीगानी लड्डू 18,500 रुपए में खरीदे थे। उसने लड्डु का मंदिर में भोग लगाकर परिजनों को प्रसादी वितरण (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन.डी.ए. के पास पर्याप्त संख्याबल नहीं अमित शाह के विधेयक को पास कराने के लिए

इस संविधान संशोधन विधेयक को लोकसभा में पारित कराने के लिए दो तिहाई बहुमत, यानि 365 सदस्यों का समर्थन चाहिये, जबकि एनडीए के पास 293 सांसद हैं, लोकसभा में

- अमित शाह के विधेयक के अनुसार, प्र.मंत्री, मु.मंत्री या अन्य कोई मंत्री की सदस्यता समाप्त की जा सकेगी,अगर वह, 100 दिन से अधिक जेल में कैद रहेगा।
- इस विधेयक को लाने से पहले एनडीए के अन्य घटकों को विशेषकर, चन्द्रबाबू नायडू व नीतीश कुमार को विश्वास में नहीं लिया गया था, अतः सम्भावना है, कि तेलगुदेशम व जद (यू) भी इस विधेयक के पक्ष में वोट नहीं करेंगे।
- ये दिक्कतें आर्येंगी, यह जानते हुए भी, यह विधेयक लोकसभा में क्यों पेश किया गया, यह एक विचारणीय प्रश्न है।
- विपक्ष का प्रचार है, कि प्रायः न्यायालय सौ दिन में जमानत नहीं दे पाते हैं, अतः यह विधेयक उन मुख्यमंत्रियों को चेतावनी देने के लिए लाया गया है, जो सरकार को उत्साहजनक समर्थन नहीं दे रहे हैं, अतः उन पर सदस्यता रद्द करने के लिए ई.डी., सी.बी.आई. की “रेड” करवाई जा सकती है।

एजेंसियों (जैसे ईडी या सीबीआई) के

शिकंजे में फंस जाएंगे और क्योंकि, वो 1०0 दिन जेल में रहेंगे तो उनकी कुर्सी चली जाएगी, क्योंकि अदालतें

सामान्यतः 1०0 दिनों में जमानत नहीं देती। संविधान विशेषज्ञ पी.डी.टी. आचार्य 14वीं और 15वीं लोकसभा के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘अमेरिका के लिए सौ डॉलर से ज्यादा कीमत की डाक सेवाएं बंद’

भारतीय डाक विभाग का यह आदेश 25 अगस्त से क्रियान्वित होगा

-जाल खंबाता- -राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो- नई दिल्ली, 23 अगस्ता भारतीय डाक विभाग ने घोषणा की है कि 25 अगस्त 2025 से अमेरिका के लिए 100 डॉलर से अधिक मूल्य वाली अधिकांश अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाएँ अस्थायी रूप से बंद कर दी जाएँगी। यह कदम अमेरिकी सरकार के नए नियमों के बाद उठाया गया है। अमेरिका ने 30 जुलाई 2025 को जारी आदेश (एक्जिक्यूटिव ऑर्डर नं. 14324) में 800 डॉलर तक के सामान पर मिलने वाली ड्यूटी-फ्री छूट खत्म कर दी है। अब 29 अगस्त से अमेरिका आने वाले हर सामान पर

प्रियंका, अखिलेश, स्टालिन राहुल की यात्रा में शामिल होंगे

नयी दिल्ली 23 अगस्ता कांग्रेस ने कहा है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की चोट चोरी के खिलाफ बिहार में चल रही वोटर अधिकार यात्रा में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही इंडिया गठबंधन के अखिलेश यादव, एम के स्टालिन तथा हेमंत सोरेन जैसे प्रमुख नेता भी शामिल होंगे। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां बताया कि गांधी की यात्रा में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन,

- कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह भी बताया कि कांग्रेस के मुख्यमंत्री भी यात्रा में शामिल होंगे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु सहित कई प्रमुख नेता शामिल होंगे। गौरतलब है कि गांधी की 17 अगस्त को बिहार के सासाराम में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा 20 जिलों को कवर करते हुए 13०0 किमी चलने के बाद एक सितंबर को पटना में समाप्त होगी।

- पुतिन ने कहा कि रूस कभी भी अपनी संप्रभुता गिरवी रखकर समझौता नहीं करेगा। उन्होंने चीन, भारत व बांग्लादेश के साथ मिलकर अपना अलग गुट बनाने की बात कही।
- पुतिन ने यह भी कहा कि रूस की अन्य देशों से दोस्ती व सम्बन्ध बनाने का आधार होता है. उन देशों से सहयोग करके, उन देशों के साथ उन देशों के विकास में भागीदार होना, जबकि अन्य देश (अमेरिका) अन्य देशों को केवल एक मार्केट के रूप में देखता है। जैसा कि विदित ही है, रूस बांग्लादेश में न्यूक्लियर पावर प्लान्ट बना रहा है।
- साथ ही रूस ने अमेरिका के साथे में यूक्रेन के साथ त्रिपक्षीय वार्ता व मुलाकात का प्रस्ताव भी ठुकरा दिया है। हालांकि, रूस ने औपचारिक तौर पर कहा यही है, कि यूक्रेन अभी त्रिपक्षीय वार्ता के लिए तैयार नहीं है, क्योंकि यूक्रेन ने अपनी भूमि छोड़ने व नाटो की सदस्यता को छोड़ने का इरादा त्यागने पर अभी तक सहमति नहीं दी है।

दर्शकों को संबोधित भाषण में,जो कि साफ तौर पर उनके अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों के लिए था, कहा कि “पश्चिमी

यूरोप के देशों ने स्पष्ट रूप से अपनी संप्रभुता खो दी है।” अपना स्टेटस गंवाने की इन देशों

की स्थिति को और स्पष्ट करने के लिए पुतिन ने कहा कि कई देश अपनी संप्रभुता खोने के बाद भी अपने स्टेटस से संतुष्ट हैं। उन्होंने ज़ोर दिया कि रूस इस रास्ते पर नहीं चलेगा और कभी भी इन बुनियादी सिद्धांतों पर समझौता नहीं करेगा।

पुतिन ने यह भी कहा कि भले ही पश्चिमी गोलार्ध में रूस अकेला पड़ गया हो, लेकिन वह अपने खुद के देशों का गठबंधन बना रहा है। उन्होंने साफ तौर पर चीन, भारत और बांग्लादेश का उल्लेख किया। चीन के साथ रूस की "अनंत मित्रता" की बात करते हुए उन्होंने भारत और बांग्लादेश के साथ सहयोग के विशेष क्षेत्रों को रेखांकित किया। ज्ञातव्य है कि रूस बांग्लादेश में कुछ परमाणु बिजलीघर भी बना रहा है। उन्होंने रूसी दृष्टिकोण की ओर इशारा किया जिसमें रिशते, सहयोग और स्थानीय विकास के स्तर पर बनाए जाते हैं। उन्होंने दावा किया कि वह स्थानीय क्षमताओं को विकसित करने में मदद कर रहे हैं, जबकि पश्चिमी देश केवल अपने उत्पाद बेचने में लगे रहते हैं। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीबीआई ने अनिल अंबानी के दो परिसरों की तलाशी ली

नयी दिल्ली, 23 अगस्ता केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2929.०5 करोड़ रुपये के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में व्यवसायी अनिल अंबानी के मुंबई स्थित दो ठिकानों पर शनिवार को तलाशी ली।

सीबीआई ने यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत के आधार पर की है, जिसने 13 जून को इन संस्थाओं

- बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को मुंबई की विशेष अदालत से तलाशी वारन्ट लिया था।

को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बाद एजेंसी से संपर्क किया था। यह कार्रवाई आरबीआई के धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर मास्टर निर्देशों और बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग और प्रबंधन नीति के अनुसार की गई थी।

सीबीआई ने शुक्रवार को मुंबई की एक विशेष अदालत से तलाशी वारंट हासिल किया था।

इलैक्ट्रॉनिक फार्मास्युटिकल व सोलर एनर्जी के सामान व स्पेयर पार्ट्स के लिए भारत चीन पर काफी निर्भर है

दूसरी ओर 2020 में गलवान घाटी पर संघर्ष के बाद, भारत में चीन को संशय की दृष्टि से देखा जाता है

- पर, अमेरिका की टैरिफ नीति में भारत विरोधी रुझान, भारत को चीन के नज़दीक धकेलता है।
- अतः भारत व चीन का रिश्ता, आपसी विश्वास पर आधारित नहीं, बल्कि आपसी राजनीतिक आवश्यकता के कारण पनपने को मजबूर है।
- इसी प्रकार भारत चीन द्वारा सीमा पर अपनाये गये आक्रामक रवैये से चौंकता होकर, अमेरिका के नज़दीक जाने की सोचने लगता है, क्वाड की संघीय सदस्यता (यू.एस., जापान, ऑस्ट्रेलिया व भारत को मैत्री गुप की मैम्बरशिप), नौसैनिक अभ्यास, इन्टैलिजेन्स शेयरिंग के समझौते व टैक्नाॅलोजी ट्रांसफर के अनुबन्धन, इसी प्रयास के नमूने हैं।
- इन दो विरोधाभासी दबावों के बीच भारत का अपनी कूटनीतिक नाव खेना, काफी नाजुक संतुलन का काम है।

अभ्यास, खुफिया साझेदारी समझौते और तकनीकी हस्तांतरण सौदे भारत को

एशिया में अमेरिका के सुरक्षा साझेदार के रूप में स्थापित करते हैं।

राजनीतिक रूप से, दोनों देश अपनी साझेदारी को लोकतंत्रों के मेल

- सुकुमार साह -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 अगस्ता भारत की विदेश नीति अब एक विरोधाभास से परिभाषित होती जा रही है। एक ओर, इसकी राजनीतिक और सुरक्षा रणनीति इसे अमेरिका के करीब धकेलती है। तो दूसरी ओर, इसकी आर्थिक मजबूरियाँ और बहुपक्षीय मंचों पर इसकी स्थिति अक्सर इसे चीन के साथ सामरिक मेलजोल में ला देती है। यह दोहरी रणनीति कोई भ्रम नहीं, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता की भारत की सोच-समझकर अपनाई गई नीति है। लेकिन इससे वॉशिंगटन और बीजिंग दोनों के साथ तनाव भी उत्पन्न होता है, जिससे दिल्ली को एक नाजुक संतुलन बनाए रखना पड़ता है।

भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती साझेदारी का राजनीतिक और रणनीतिक तर्क सीधा है। वर्ष 202० में गलवान घाटी की घातक झड़प के बाद से भारत ने चीन को अपने दीर्घकालिक

प्रमुख प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखना शुरू किया। दोनों देश अब भी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा तनाव में उलझे हुए हैं, जहाँ सैनिक जमावड़े और आपमने-सामने की स्थितियाँ बनी हुई हैं। भारत में जनमत और राजनीतिक दृष्टिकोण चीन के खिलाफ काफी सख्त हो गया है, और चीन को भारत की संप्रभुता के लिए मुख्य खतरे के रूप में देखा जा रहा है।

इस खतरे का संतुलन साधने के लिए दिल्ली ने अमेरिका के साथ रक्षा और सुरक्षा सहयोग तेज कर दिया है। क्वाड समूह-अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत-इंडो-पैसिफिक रणनीति का एक केंद्रीय स्तंभ बन चुका है। मालाबार जैसे नौसेना

एशिया में अमेरिका के सुरक्षा साझेदार के रूप में स्थापित करते हैं।

फिर भी, जहाँ राजनीति भारत को पश्चिम की ओर ले जाती है, वहीं अर्थव्यवस्था चीन के साथ मेल के लिए मजबूर करती है। चीन भारत का सबसे बड़ा आयात खोत है, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाइयों से लेकर सौर ऊर्जा तक के उद्योगों के लिए आवश्यक घटक प्रदान करता है। भले ही भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयासरत है, लेकिन वह फिलहाल और निकट भविष्य में चीनी घटकों से पूरी तरह अलग नहीं हो सकता। बहुपक्षीय स्तर पर, भारत अक्सर ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन में चीन के रुख के पक्ष में होता (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- बिहार से भाजपा जिला अध्यक्ष ने यह मुकदमा दर्ज किया जिसमें आरोप है कि तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की है।

कोतवाली तालबेहट अंतर्गत मुहल्ला सरफयाना निवासी भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने कोतवाली तालबेहट में एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें बताया गया कि पीएम (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करौली क्षेत्र में बारिश से हालात बिगड़े, पांचना बांध के चार गेट खोले

करौली और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली चंबल नदी भी पूरे उफान पर है

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार रात्रि से हो रही झमाझम बारिश से हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। वहीं करौली जिले के सबसे बड़े पांचना बांध के चार गेट खोलकर लगातार पानी की निकासी की जा रही है। वहीं क्षेत्र में हो रही लगातार बरसात के चलते करौली और मध्य प्रदेश को जोड़ने वाली चंबल नदी भी इस समय पूरे उफान पर है। चंबल नदी के खतरे का निशान 165 मीटर है और लगातार पानी की आवक के चलते इस समय चंबल नदी की स्थिति 164 मीटर पर पहुंच गई है। जिसको देखते हुए करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल सहित जल संसाधन विभाग के अधिकारी पुरी निगरानी बनाए हुए हैं।

करौली जिला मुख्यालय पर शुक्रवार और शनिवार को दोपहर तक घने काले बादल छाए रहे, लेकिन शनिवार को दोपहर आधा घंटा जमकर वर्षा होने से सड़कों पर पानी बह निकला। करौली जिले के सबसे बड़े पांचना बांध में भारी पानी की आवक के चलते शनिवार को चार गेट खोलकर 26233 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई। इस मानसून सीजन में पहली बार एक साथ चार गेट खोले गए हैं। जल संसाधन विभाग

करौली के सबसे बड़े पांचना बांध के चार गेट खोलकर लगातार पानी की निकासी की जा रही है।

ने डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सावधानी बरतने और मवेशी नहीं भेजने की अपील की है। जानकारी के अनुसार गेट नंबर 2, 3, 4 और 6 को डेढ़-डेढ़ मीटर तक खोला गया है। बांध का जल स्तर 258.30 मीटर तक पहुंच गया है, जबकि बांध में वर्तमान में 26,233 क्यूसेक पानी की आवक दर्ज की जा रही है। इससे पहले 11 अगस्त को

जल स्तर 257.95 मीटर होने पर गेट बंद कर दिए गए थे। इस मानसून सीजन में अब तक सात बार बांध के गेट खोले जा चुके हैं। शुक्रवार की रात करीब 11:30 बजे बांध के दो गेट खोल पानी की निकासी शुरू की थी, लेकिन बाद में पानी की आवक बढ़ने पर रात करीब 2:00 बजे तीसरा गेट भी खोल दिया था और प्रातःकरीब 5:30 बजे गेटों की संख्या बढ़ाकर चार कर दी

थी। मात्रा बढ़ाकर 26 हजार क्यूसेक की गई। बांध की स्थिति पर अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता, सहायक अभियंता वीर सिंह और कनिष्ठ अभियंता भवानी सिंह लगातार नजर रखे हुए हैं।

अधिशासी अभियंता ने बताया कि बीते 24 घंटों में जिले में कई स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि कालीसिल बांध पर

अलवर में तेज बारिश, सिलीसेढ़ बांध ओवरफ्लो हुआ

अलवर, (निसं)। अलवर में तेज बारिश ने शनिवार को अलवर प्रशासन और नगर परिषद की पोल खोल कर रख दी है। पहली बार बस स्टैंड रोड पर इतना पानी जमा हो गया कि लोग तैरने लगे। शहर की दुकानों में पानी भर गया।

- ग्राम कोटा खुर्द में पुराने मकान का बरामदा ढह गया, हादसे में नीचे सो रहे परिवार के सात सदस्य दबकर घायल हो गए
- पहली बार बस स्टैंड रोड पर इतना पानी जमा हो गया कि लोग तैरने लगे, दुकानों में भी पानी भर गया

जानकारी के अनुसार अलवर में शनिवार शाम को जोरदार बारिश हुई। बस स्टैंड के बाहर मुख्य रोड पर तीन फीट तक पानी भर गया। एक युवक तो रोड पर धरे पानी में तैरकी करने लगा।



रामगढ़ उपखंड के ग्राम कोटा खुर्द में पुराने मकान का बरामदा ढह गया।

पानी में आस-पास दुकानों के आगे खड़े वाहन डूब गए। पुरानी कॉलोनियों में भारी भर गया। ये ही हालात अंबेडकर सर्किल, जिला हॉस्पिटल और पुलिस कंट्रोल रूम के सामने भी देखे गए। कई वाहन पानी में बंद हो गए। लंबा जाम लगने से भी वाहन चालक परेशान हुए। वहीं दो दिन की बरसात से सिलीसेढ़ बांध ओवरफ्लो हो गया। दो इंच से अधिक

ऊपरा चल रही है। अब इसके बढ़ने के आसार हैं। दिन में भी रुक-रुककर कई बार बारिश हुई है, लेकिन शाम के समय करीब 30 मिनट तक अच्छी बारिश होने से शहर में पानी भर गया। अलवर में तेज बारिश के चलते रामगढ़ उपखंड के ग्राम कोटा खुर्द में एक हादसा हो गया। गांव में पुराने मकान पर निर्माण कार्य के दौरान अचानक बरामदा ढह गया। हादसे में नीचे

सो रहे एक ही परिवार के सात सदस्य दब गए और घायल हो गए। हादसे में पीड़ित परिवार का बेटा, बहू, पोता और पोती समेत सात लोग चोटिल हुए। सभी घायलों को तत्काल ग्रामीणों की मदद से रामगढ़ अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार दिया गया। गंभीर रूप से घायल एक बालिका को बेहतर इलाज के लिए अलवर रेफर कर दिया गया।

जनुभाई के बताये रास्ते एवं उनके सपनों को पूरा करने का संकल्प लें : प्रो. सारंगदेवोत

राजस्थान विद्यापीठ के 89वें स्थापना दिवस पर पंडित जनादरराय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ के 89वें स्थापना दिवस पर श्रमजीवी महाविद्यालय परिसर में कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर, कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा, पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रफुल्ल नागर ने संस्थापक मनीषी पंडित जनादरराय नागर की प्रतिमा का लोकार्पण कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धाभाव के साथ उन्हें नमन किया। अनावरण पंडित लोकेश पालीवाल के नेतृत्व में 11 पंडितों ने मंत्रोच्चारण के साथ आयोजन किया गया।

प्रारंभ में कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कहा कि पंडित जनादर राय नागर, जिन्हें जनु भाई के नाम से भी जाना जाता है, ने अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को शिक्षित करने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनका संघर्ष, मानवीय दृष्टिकोण, सामाजिक और सामुदायिक सरोकार आज भी प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि मानते हुए शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। प्रो. सारंगदेवोत ने कहा कि आजादी के 10 वर्ष पूर्व 1937 में जो पीछा रोपित किया था वह आज वटवृक्ष बन गया है। अब इसकी हिफाजत करना, इसकी गरिमा बनाये रखना व इसकी ओर अधिक उन्नति करने का दायित्व विद्यापीठ के सभी कार्यकर्ताओं का है।

राजस्थान विद्यापीठ के स्थापना दिवस कार्यक्रम में प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत, पीठ स्थविर कौशल नागदा, पूर्व कुलपति प्रो. दिव्यप्रभा नागर, प्रफुल्ल नागर आदि मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि जनुभाई की प्रतिमा को देखने से हमें एक नई उर्जा मिलती है, एक नया संदेश मिलता है और जब संकट में होते हैं तो उस समय हमें ऐसा लगता है कि जनुभाई हमारे साथ हैं। उन्होंने कहा कि आज हमें सकल्प के साथ विद्यापीठ का आत्मसात करने की जरूरत है। जब व्यक्ति, समाज और राष्ट्र कठिनाईयों से जूझता है और इसे अवसर में बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आज संस्थान में 200 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं, सभी कोर्स यूजीसी एवं सम्बंधित कार्डसिल से मान्यता प्राप्त है। तीन रूपये से शुरू इस संस्थान का वर्तमान में 70 करोड़ का वार्षिक बजट है जो अपने आप में एक कीर्तिमान स्थापित करता है। कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि यह दिवस बीते वर्षों में किए कार्यों का मूल्यांकन तथा नवीन दायित्व बोध का है। नई पीढ़ी से मेवाड़ के ग्रामीण समुदाय के काम हाथ में लेते हुए जनुभाई के सपनों का पूरा करने की बात कही। आयोजित समारोह से पूर्व विद्यापीठ के प्रतापनगर परिसर में स्थापित जनुभाई की आदमकद प्रतिमा

पर विद्यापीठ के तीनों परिसर के कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने विद्यापीठ के झण्डे का झण्डारोहण कर संस्थान गीत का गायन किया। पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा ने सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर विद्यापीठ को ओर अधिक उंचाईयों पर ले जाने का संकल्प दिलाया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रफुल्ल नागर ने कहा कि

टोंक जिले में कई जगह बाढ़ के हालात



टोंक जिले में हो रही तेज बारिश से कई जगह जलभराव के हालात बन गए।

टोंक, (निसं)। टोंक जिले में दो दिन से हो रही तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। शनिवार को कई जगह हालात जलभराव के बन गए। वनस्थली गांव में तीन से चार फीट पानी घरों में भर गया तथा स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस की टीमों जलभराव में फंसे लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर छोड़ रही है। इसी प्रकार उनियारा से गलवा बांध के पास चार परिवारों के 22 सदस्यों को रेस्क्यू किया गया। वहीं इलाकों के लगभग 50 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। पीपलू क्षेत्र में एक अध्यापक व उसकी बाइक बह गई है। अध्यापक ने जैसे-तेसे करके अपनी जान बचाई। इसी क्रम में शनिवार को बीसलपुर बांध के चार गेट खोले गए हैं,

- उनियारा से गलवा बांध के पास चार परिवारों के 22 सदस्यों को रेस्क्यू किया, कई इलाकों के लगभग 50 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया
- पीपलू क्षेत्र में एक अध्यापक व उसकी बाइक बही, अध्यापक ने जैसे-तेसे अपनी जान बचाई
- पीपलू क्षेत्र के मोहिनी से लावा मार्ग रपटे पर तेज बहाव के चलते पशुपालक की 30-40 भैंसें बह गईं

ऐसे में वर्तमान में छह गेटों से दो-दो मीटर खोलकर प्रति सैकंड 72120 क्यूसेक पानी की निकासी बनास नदी में की जा रही है। नासिरदा और उसके आसपास के इलाकों में पांच इंच बारिश हुई है, जिसके चलते थाना परिसर में भी पानी भर गया है तथा सभी नदी-नाले

उफान पर हैं, सड़कों पर पानी बह रहा है। वहीं हमीरपुर में भी बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। इसी प्रकार पीपलू क्षेत्र के मोहिनी से लावा मार्ग रपटे पर पशुपालक अपनी भैंसों को पानी से निकलने की कोशिश कर रहा था, तभी तेज बहाव के चलते 30-40 भैंसें पानी में बह गईं।

गंगापुर सिटी में बारिश, सड़कों पर पानी भरा

गंगापुर सिटी, (निसं)। प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। शहर में बारिश के कारण जगह-जगह सड़कों पर पानी भर गया। शनिवार को पाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की विदाई जोरदार बारिश के साथ हुई। दोपहर करीब एक बजे गरज के साथ बारिश शुरू हुई। तीन सप्ताह से कमजोर चल रहे मानसून की इस वापसी से शहर के कई हिस्सों में जलभराव हो गया। उपखण्ड क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में 80 मिमी बारिश हो चुकी है। इलाके में शुक्रवार देर रात से बारिश का दौर शुरू हुआ जो शनिवार तक जारी रहा।

लगातार बारिश से निचली बस्तियां जलमग्न हो गईं। शनिवार की बरसात में मिनी सचिवालय, पावर हाउस, एडीएम बंगले में पानी भर गया। बारिश के दौरान स्कूली बच्चे घर लौटते समय भीगते नजर आए। तेज हवाओं के कारण मौसम में ठंडक बढ़ी और तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को दो घंटे से अधिक समय तक हुई बारिश से नया बाजार, नेहरू बाजार, कचहरी रोड की कई दुकानों में पानी घुस गया, जिससे दुकानदारों का लाखों रूपए का सामान खराब हो गया। कई दुपहिया वाहनों में पानी चले जाने से वाहनों का घसीटना पड़ा। वहीं कचहरी रोड पर लगी रही पेड़ पोथी की दुकान पानी के तेज बहाव में बह गई, जिससे नर्सरी संचालक का हजारों रूपए का नुकसान हो गया।



गंगापुर सिटी में कचहरी रोड व फव्वारा चौक पर पानी भर गया।

बीकानेर में बारिश

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में हुई मध्यम दर्जे की बारिश ने रामदेवरा पैदल जा रहे पदयात्रियों को रुकने के लिए मजबूर कर दिया, वहीं देशनोक में खेजड़ी पूजने जा रही महिलाओं को दो-दो फीट पानी से भरी सड़कों से गुजरना पड़ा। बारिश का दौर अभी जारी है और मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। उधर, शहर में जर्जर मकानों को लेकर नगर निगम ने सौ से ज्यादा घरों पर बैनर टांग दिए हैं।

बीकानेर शहर में सुबह से बादलवाही को देखते हुए बारिश की

उम्मीद की जा रही थी, इस बीच लूणकरनसर में बारिश शुरू हो गई। लूणकरनसर के मुख्य मार्गों पर बारिश के कारण भारी वाहनों के पहिए भी एक बार थम गए। तेज बारिश से मुख्य मार्ग पर पानी एकत्र हो गया। देशनोक में तेज बारिश के कारण पालिका कार्यालय के पास ही भारी मात्रा में पानी एकत्र हो गया। करीब दो फीट पानी से होकर यहां से महिलाओं को निकलना पड़ा। खेजड़ी पेड़ की पूजा के लिए जा रही महिलाओं को पानी से भरी सड़क पार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। देशनोक में जाह-जगह पानी एकत्र होने से घरों को भी नुकसान हो रहा है।

बीकानेर शहर में करीब आधा घंटे की रिमझिम बारिश ने भी मौसम सुहाना कर दिया। एक बार तो झमाझम बारिश की उम्मीद बंधी थी लेकिन कुछ देर की रिमझिम बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया। फिलहाल बरसात का सिलसिला थम गया है लेकिन आसमान में बादल कभी भी तेज बारिश कर सकते हैं। मौसम विभाग ने बीकानेर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। उम्मीद की जा रही है कि शाम तक बारिश के एक-दो राउंड और हो सकते हैं। पिछले कई दिनों से बारिश को तरस रहे बीकानेर के किसान भी तेज बरसात का इंतजार कर रहे हैं।

सेना भर्ती में दौड़ते युवक को हार्ट अटैक आया, मौत

फिनिशिंग लाइन से पहले बेहोश होकर गिर गया था, हॉस्पिटल में दम तोड़ा

- श्रीद्वारगढ़ का रहने वाला मुन्नीराम मंडोर के सीमा सुरक्षा बल के कैप्टन पहुंचा था

चौकाया है। मुन्नीराम को जब एमडीएम लाया गया था तो उसकी सभी जांच ठीक थी। उसके शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं थे। किसी दूसरी बीमारी के भी कोई सिम्पटम्स नहीं नजर आए, इसलिए आशंका है कि उसे साइलेंट अटैक आया था। रामनिवास ने बताया कि पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद वे आगे की कार्रवाई करेंगे। परिवार के अनुसार बीकानेर के कल्याणसर का रहने वाला मुन्नीराम बीकानेर में कॉम्पिटिशन एंजाम के लिए कोचिंग कर रहा था। उसके पिता का देहांत हो चुका है। उसके परिवार में मां और दो बड़े भाई हैं।

होटल से गिरने पर युवक की मौत : उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र बड़ी में निर्माणधीन होटल की दूसरी मंजिल से गिरने पर युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में बड़ी में निर्माणधीन होटल की दूसरी मंजिल से गिरने पर स्वामीनगर टेकरी रोड हिरणमगरी निवासी पुरुषोत्तम गोराना की मौत हो गई। सूचना मिलने पर एसएसआई नरेन्द्रसिंह ने मृतक का पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं गत दिनों शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र पावर हाउस क्रॉसिंग के समीप बाइक की टक्कर से बाइक चालक शांतिनगर (70) सविना निवासी चुन्नीलाल पुत्र गिरधारीलाल गलरानी गंभीर घायल हो गया, जिसे चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर					
वर्ष 2026 हेतु ऑनलाईन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने की तिथियाँ में संशोधन की सूचना					
वर्ष 2026 की परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले समस्त निर्धारित एवं स्वयंसेवक परीक्षार्थियों के ऑनलाइन परीक्षा आवेदन-पत्र भरने एवं सूक्त जमा करने की अंतिम तिथियाँ में निम्नानुसार संशोधन किया गया है:-					
परीक्षा शुल्क	आवेदन पत्र भरने की आरम्भ तिथि	आवेदन पत्र भरने एवं चालान मुद्रित करने की अंतिम तिथि	परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने की अंतिम तिथि	आवेदन पत्र भरने एवं चालान नोटल केन्द्र पर जमा करने की अंतिम तिथि	
सामान्य परीक्षा शुल्क से एक अतिरिक्त परीक्षा शुल्क सहित	24.07.2025	03.09.2025	10.09.2025	18.09.2025	
अनाधारण परीक्षा शुल्क (केवल स्वयंसेवक) [नोट] कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें।	04.09.2025	10.09.2025	15.09.2025	18.09.2025	
	11.09.2025	25.09.2025	04.10.2025	सभी बोर्ड कार्यालय में	
1. आवेदन पत्र भरने से संबंधित अन्य प्रक्रिया/शुल्क पूर्व की मोटी यकबत रहें। 2. आवेदनक निर्देशों की वेबसाइट https://rajeduboard.rajasthan.gov.in पर देखें।					
संविद्य					

सार-समाचार

सड़क निर्माण कार्यों का लोकार्पण



भरतपुर, (निर्स)। भरतपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत इकरन में विधायक निधि से कराये गये करीब 85 लाख रूपये की लागत से सड़क निर्माण कार्यों का पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सुभाष गर्ग ने लोकार्पण कर क्षेत्र की जनता को समर्पित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने उनका गर्म जोशी के साथ अभिनन्दन किया। ग्राम पंचायत इकरन में करीब 16 सड़क निर्माण कार्यों का डॉ. गर्ग ने लोकार्पण कर समारोह को सम्बन्धित करते हुये कहा कि क्षेत्र में विकास की कोई कमी जोड़ी जायेगी और ठाम पंचायत की शेष रही सड़कों का भी निर्माण कराया जायेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनका मकसद है कि उनके विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो। उन्होंने ठाम्मीण क्षेत्र के बच्चों को किसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों में अध्ययन करने में आ रही परेशानी को देखते हुये शीघ्र ही लाइब्रेरी बनवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भरतपुर शिक्षा के क्षेत्र में अठाणी हो इसके लिये भी वह पूरी तरह से प्रयासरत हैं। इस दौरान डॉ. गर्ग का लोगों ने साफा माला व चांदी का मुकुट पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष संतोष फौजदार, इकरन सरपंच नेमसिंह, फुलवारा सरपंच वीरेन्द्र सिंह, पीपला सरपंच हरेन्द्र सिंह, उंदरा सरपंच मनोज सिंह, पूर्व सरपंच तुहीराम, किशन चारलीगंज, मोहन चाचा, बबलू खैराम, दयाचन्द पाराशर, राजेश, प्रकाश घुस्वारी, बच्चूसिंह, मानपाल फुलवारा सहित अन्य गणमान्य नागरिक व क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे

वाकपीठ संगोष्ठी का समापन

सुरौट, (निर्स)। तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में हिंडौन ब्लॉक के माध्यमिक उच्च माध्यमिक के संस्था प्रधानों कि दो दिवसीय प्रधानाचार्य बाकपीठ संगोष्ठी संगोष्ठी का समापन हुआ समापन समारोह कि अध्यक्षता सर्वेश कुमार गुप्ता अतिरिक्त जिला परि. समन्वय करौली द्वारा कि गई विशिष्ट अतिथि के रूप में सतीश प्रकाश शर्मा रहे, व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हिंडौन सिटी दयाल सिंह सोलंकी रहे, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुरौट के प्रधानाचार्य व संयोजक सोहन सिंह मीना ने बताया कि सर्वप्रथम मां शारदे से आरंभ किया गया, प्रधानाचार्य एमडी भास्वान द्वारा बालिका, शिक्षा विषय पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए, अंनिता कुमारी प्रधानाचार्य मिलिकपुरा द्वारा सी एस आर भामाशाह एवं संकल्प पोर्टल से संबंधित जानकारी दि, इसके पश्चात सेवानिवृत्त होने वाले संस्था प्रधानों का साक्षा बंधन कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई अंत में खुले सत्र का आयोजन पर प्रश्नों का समाधान तथा एड्मिनीसी सर्वेश कुमार के द्वारा क्षितदास्त भवनों की सुरक्षा कर अपने सुझाव प्रस्तुत किये, आगामी सत्र में तिथरिया उच्च माध्यमिक विद्यालय में बाकपीठ की घोषणा के साथ वर्तमान आयोजक सोहन सिंह मीणा स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य को श्रेष्ठ व्यवस्था संकल्प पोर्टल पर शानदार दान के कारण सम्मानित कर राष्ट्रगान के साथ बाकपीठ कि समाप्ति की घोषणा की गई इस मौके पर कई प्रधानाचार्य सहित स्टाफ कर्मि उपस्थित रहे।

भारतीय किसान संघ की बैठक संपन्न

करौली, (निर्स)। शुक्रवार को रामसनेही आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय करौली में जयपुर प्रांत संघटन मंत्री नौरज के आतिथ्य प्रांत मंत्री लट्ठू सिंह मीना प्रांत उपाध्यक्ष गंगाराम मीना संभागा उपाध्यक्ष गिरिज मीना,संभाग बीज प्रमुख राजाराम मीना एवं जिलाध्यक्ष मोहर सिंह मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। जिला प्रवक्ता गंगादाम प्रजापत ने बताया कि भारतीय किसान संघ की बैठक का शुभारंभ अतिथियों ने भगवान बराराम के चित्र पटल के समक्ष द्वीप प्रज्जलिप्त कर किया, आपसी परिचय में बाकपीठ तथा संजय शर्मा को हिण्डौन में नियुक्त किया गया है जबकि पर्यवेक्षक के रूप में सत्यनारायण मीना, अशोक मीना तथा गिरधारी लाल नामा उपस्थित रहेंगे। सपोटरा में राडमावि, मंडरायल में आदर्श विद्या मंदिर तथा हिण्डौन में राडमावि में चुनाव कराए जाएंगे।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय के वार्षिक चुनाव आज

करौली, (निर्स)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय को सपोटरा, मंडरायल तथा हिण्डौन उपशाखाओं के वार्षिक चुनाव आज रविवार को आयोजित होंगें।संघ के जिला प्रवक्ता राजेन्द्र दीवान ने बताया कि आज रविवार को प्रातः 8 बजे मतदता सूचियों का प्रकाशन, 11 बजे तक नामांकन तथा आवश्यकता होने पर दोहरा डेब बजे से तीन बजे तक मतदान कराया जाएगा।चुनाव अधिकार के रुप में रामेश्वर मीना को सपोटरा, हरकेश मीना को मंडरायल तथा संजय शर्मा को हिण्डौन में नियुक्त किया गया है जबकि पर्यवेक्षक के रूप में सत्यनारायण मीना, अशोक मीना तथा गिरधारी लाल नामा उपस्थित रहेंगे। सपोटरा में राडमावि, मंडरायल में आदर्श विद्या मंदिर तथा हिण्डौन में राडमावि में चुनाव कराए जाएंगे।

अमावस्या पर जयकारों से गूंजा जगदीश धाम

हिण्डौन सिटी, (निर्स)। समीपवर्ती जगदीश धाम कैमरी में शनिवार को अमावस्या पर भगवान की विशेष पूजा अर्चना के साथ महाआरती की गई। सुबह चार बजे से भगवान जगदीश के जयकारे लगाते हुये दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आने का क्रम शुरू हुआ, जो दिनभर जारी रहा। इस दौरान भगवान के दर्शन व पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते कस्बे सहित आसपास का वातावरण धर्ममयी हो गया।

इस मौके पर अटका प्रसादी अर्पण करने वाले हरिसिंह, पूर्व सरपंच मनीराम ठेकेदार, निहालसिंह मास्टर बाड़ा, भूरसिंह मास्टर होदाहेली, कावड यात्रा के श्रद्धालु सुबेदार कर्ण सिंह, खेडन घनश्याम तेशगांव, शिवसिंह खेडन की ओर से भगवान के अटका महाप्रसादी का भोग अर्पण किया गया। जगदीश चौक में हजारों श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया वहीं अहमदाबाद वाले की ओर से मालपुरा की प्रसादी का भी वितरण किया गया। मंदिर के महंत पं. मनोज शास्त्री, पं. हरिमोहन शास्त्री आदि द्वारा उच्चारित वेदमंत्रों के बीच जगज्जुत अभिषेक के साथ विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष घनश्याम खटाना, उपाध्यक्ष कैप्टन राजाराम खटाना,

कोषाध्यक्ष कैप्टन शीशराम खटाना, सचिव रामगिलास गुर्जर, पूर्व सरपंच सुप्रिय सिंह अर्धत, सुबेदार साहब सिंह, हवलदार बहादुर सिंह नयापुरा, जय सिंह खटाना सहित बारह गांवों के पंच पटेलों ने भाग लिया। मंदिर ट्रस्ट पदाधिकारियों सहित बारह गांवों के पंच पटेलों द्वारा अटका प्रसादी अर्पण करने वाले श्रद्धालुओं सहित अतिथियों का माला-साफा पहनाकर व भगवान का छाया चित्र भेंट कर समान किया। कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि कैमरी अतराज खटाना, मेहेकरापुरा सरपंच प्रतिनिधि कप्तान सिंह खटाना, भाजपा नेता शेर सिंह खटाना ने भाग लिया। समारोह का संचालन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष कैप्टन शीशराम खटाना ने किया इस मौके पर जगदीश चौक में सजी दुकानों से श्रद्धालुओं ने खरीददारी की। साथ ही जगदीश चौक में आयोजित अटका महाप्रसादी के तहत हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ठाठका की। इस दौरान मंदिर कामेटी के अध्यक्ष सहित अन्य सदस्य कैप्टन नादान सिंह, सुबेदार साहब सिंह, शेर सिंह नेताजी, भूपेन्द्र खटाना धधत, राजबहादुर बडगांव, भूरया घमाडी, रामदयाल खेडली, सुबेदार हनुमान सहाय, संजय खटाना खेडला ने अटका प्रसादी में सहयोग किया।

कचहरी रोड पर गंदगी, गड्ढे व कीचड़ से आमजन परेशान

गंगापुर सिटी, (निर्स)। डबल इंजन की सरकार में भी शहर की जनता को गंदगी, गड्ढे एवं जाम से राहत नहीं मिले तो आमजन किसके पास जाए। शहर की मुख्य सड़के अतिक्रमण व गड्ढों के चलते आमजन के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है।

गंगापुर सिटी का मुख्य सड़क मार्ग कचहरी रोड पूरी तरह बदहाल स्थिति में है। थोड़ी सी बारिश होते ही यह मार्ग दलदल और कीचड़ में बदल जाता है। पैदल चलना तो दूर, वाहन चालकों को भी यहां से गुजरना मुश्किल हो जाता है।

- **जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की अनदेखी शहरवासियों पर पड़ रही भारी**
- **गड्ढों के कारण बार बार लगता है जाम**

कचहरी रोड पर फैली गंदगी और गड्ढों के कारण दुकानदार परेशान हैं। ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच पाते, जिससे व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुकानों के सामने गंदा पानी भर जाने से माहौल अस्वच्छ हो जाता है और लोग खरीदारी से बचते हैं। वहीं नगर परिषद प्रशासन ने मुख्य सड़क का एक हिस्सा बना दिया लेकिन पूरी की पूरी सड़क ही क्षतिग्रस्त होने से सभी को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ये

‘खिलाड़ियों को गढ़ने का काम करते हैं शारीरिक शिक्षक’

हिण्डौन सिटी, (निर्स)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नादौती के तत्वावधान में माध्यमिक शिक्षा के शारीरिक शिक्षकों की जिला स्तरीय दो दिवसीय शैक्षिक संगोष्ठी का समापन शनिवार को जगदंबा मैरिज गार्डन नादौती में हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा विभागे के पूर्व उप निरेशक वीर सिंह बेनीवाल रहे, जबकि अध्यक्षता वरिष्ठ उप जिला शिक्षा अधिकारी (शारीरिक) मानसिंह मीणा ने की। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नादौती प्रधानाचार्य मुकेश गुप्ता, शारीरिक शिक्षक प्रियंकत बेनीवाल व नरेंद्र बाबा ने बताया कि प्रधानाचार्य कुंजेला हंसराज मीणा , पर्यवेक्षक हेमराज मीणा, पूर्व खेल प्रभारी ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व उप जिला खेल प्रभारी मुरारिलाल शाय्यावार, प्रारंभिक शिक्षा खेल प्रभारी मुकेश शर्मा, हेमराज सिकरौदा, रामकेश मीणा, प्रारंभिक शिक्षा के जिला अध्यक्ष हरिश पाठक सहित कई विशिष्ट अतिथि मंच पर मौजूद रहे।इस दौरान मुख्य अतिथि वीर सिंह बेनीवाल ने कहा कि विद्यालय

आमसभा आज

गंगापुर सिटी, (निर्स)। अग्रवाल समाज समिति गंगापुर क्षेत्र की आम सभा रविवार को समाज समिति अध्यक्ष मोहनलाल कुनकरा की अध्यक्षता में रखी गई है। जिला प्रवक्ता वेद प्रकाश मंगल ने बताया कि समाज समिति की 19 आपस की मीटिंग में अग्रसेन जयंती महोत्सव एवं समाज के सहभोज पर चर्चा की गई।

मंत्री डॉ. मीणा ने अतिवृष्टि व जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

सवाई माधोपुर, (निर्स)। सवाई माधोपुर जिले में विगत दो दिन से हो रही लगातार बारिश एवं अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन ने त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। कहा जल भराव है वहाँ से लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शनिवार को सवाई माधोपुर जिले में सूरवाल, जडावता, अजनोटी, मेनपुरा, धनोली सहित अन्य जलभराव व

- **आपदा राहत कार्यों की समीक्षा कर प्रभावितों को जरूरी सहायता तत्काल उपलब्ध कराने के दिए निर्देश**

अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने चकचैनपुर हवाई पट्टी पर जिला प्रशासन एवं प्रभावित लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानी तथा संबंधित अधिकारियों को आपदा राहत कार्य मुस्तैदी से किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जलभराव वाली निचली बरतियों से लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर भेजने एवं बाढ़ग्रस्त इलाकों में राशन एवं खाद्य सामग्री पहुंचाने के निर्देश दिए।



कचहरी रोड के तिराहे पर लगा मुख्य मैनहोल का जाल टूटा पड़ा।

शहर की मुख्य सड़क है जहां से प्रतिदिन लाखों आदमी स्टेशन, बाजार, रोडवेज बस स्टेण्ड के साथ सरकारी कार्यालयों में आते जाते हैं। वहीं ये सड़क शहर के सबसे ज्यादा वीवीआईपी लोकेशन पर है जहां पर सम्पूर्ण उपखण्ड का संचालन करने के लिए एडीएम, एसडीएम सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारियों सहित न्यायिक अधिकारियों के बंगले व ऑफिस है। लेकिन किसी भी अधिकारी के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। शहर के विका के बड़े बड़े दावे करने

वाले सभी जन प्रतिनिधि व अधिकारी शहर की दुर्दशा पर आंखें मूंद कर बैठे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नेताओं और अधिकारियों को एक बार इस सड़क पर पैदल चलकर देखना चाहिए, तभी उन्हें वास्तविक हालात का अंदाजा होगा। जनता का सवाल है कि चुनावी वादे करने वाले प्रतिनिधि अब क्यों चुप हैं? नगरपालिका की लापरवाही साफ झलक रही है। मुख्य सड़क होने के बावजूद इसकी मरम्मत की और ध्यान नहीं दिया जा रहा। वहीं,

नेता और प्रशासनिक अधिकारी अपनी लज्जरी गाड़ियों में बैठकर आराम से निकल जाते हैं और जनता की परेशानी से बेखबर रहते हैं। कचहरी रोड के तिराहे पर लगा मुख्य मेनहोल का जाल भी टूटा हुआ है, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे रहा है। राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। स्थानीय लोग बार-बार नगरपालिका को शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

कचहरी रोड की दुर्दशा और टूटा हुआ मेनहोल दोनों ही गंगापुर सिटी के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। अगर समय रहते सुधार नहीं किया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है और इसकी जिम्मेदारी सीधे तौर पर नगरपालिका और प्रशासन पर होगी। वहीं सभापति का कहना है कि बरसात के बाद जल्द ही शहर की सड़को की मरम्मत का कार्य शुरू करवाया जायेगा जिससे आमजन को राहत मिल सकेगी। वहीं नगर परिषद क्षेत्र में अधिकतर जगहों पर देखा गया है कि नालियों के आगे लोगो ने फुटपाथ बना रखा है। जिससे सड़क पर बहने वाला पानी उन फुटपाथ के चलते नालियो में नहीं जाता है और पानी सड़क पर भी भरा रहता है। शहर के जागरूक लोगो ने नगर परिषद से ऐसे फुटपाथो को चिन्हित कर जेसीबी को सहायता से हटाने की मांग की है जिससे सड़क के ढलान से निकला पानी सीधे नालियो में जा सके।

महायज्ञ का समापन आज

गंगापुर सिटी, (निर्स)। आर्य समाज गंगापुर सिटी में पिछले 6 दिनों से चल रहे यजुर्वेद पारायण महायज्ञ का रविवार को समापन होगा। प्रवक्ता आशुतोष आर्य ने बताया कि रविवार को प्रातः 11 बजे पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन होगा। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य हरिश्चंकर अग्निहोत्र ने शनिवार को हरिसिंह राजपूत, हरिचरण पोसवाल, दीपक गुप्ता, पुनीत गुर्ग, दिनेश गंगारट, विजय, राम किशन सैनी आदि यजमान दंपतियों से यजुर्वेद के मंत्रों का पाठ करके यज्ञ में आहुति दिलवाई। उन्होने उद्धोधन में बताया कि दयानंद सरस्वती ने जन्म-आधारित जाति-प्रथा का विरोध किया और गुण व कर्म पर आधारित वैदिक वर्ण-व्यवस्था को समर्थन दिया, जिसके अनुसार व्यक्ति को जन्मना उसके कर्म से होती थी, न कि जन्म से। आर्य समाज ने छुआछूत का विरोध किया, स्त्रियों व शुद्रों को वेदों के अध्ययन का अधिकार दिया, तथा सामाजिक समरसता पर बल दिया है। आज समाज में जन्म आधारित वर्ण व्यवस्था प्रचलन में है जो कि समाज में विघटन और वैमनस्यता का मुख्य कारण है। दयानंद सरस्वती ने वेदों के आधार पर गुण, कर्म और स्वभाव के अनुसार व्यक्ति के वर्ण-निर्धारण के सिद्धांत का समर्थन किया था।

शारीरिक शिक्षकों की दो दिवसीय शैक्षिक संगोष्ठी का समापन हुआ।

में विद्यार्थियों को अनुशासन और खेलकूद की दिशा में पारंगत बनाना शारीरिक शिक्षकों का सबसे बड़ा दायित्व है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को तैयार करने का सबसे अच्छा गुरु शारीरिक शिक्षक होता है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। विद्यालय में जो विद्यार्थी अनुशासन सीख जाता है, उसका जीवन सार्थक हो जाता है। उप जिला शिक्षा अधिकारी मानसिंह मीणा ने कहा कि इस दो

दिवसीय संगोष्ठी से शिक्षकों को नवीनतम नियमों और तकनीकी जानकारी का लाभ मिलेगा, जिससे वे जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों को बेहतर ढंग से तैयार कर पाएंगे। संगोष्ठी के दूसरे दिन विभिन्न खेल विशेषज्ञों ने नवीनतम नियमों से अवगत कराया। उमेर सिंह मीणा (फ़ुटबॉल) क्रिकेट देशराज बेनीवाल (क्रिकेट) सागर सिंह व कुलवंत ने (कुश्ती) निरंजन गिरी ने (जूडो) से संबंधित नियमों की व्याख्या की।

जरूरतमंदों को कराया भोजन

करौली, (निर्स)। करौली शहर के हेली चिखड़कियां बाहर निवासी नरेश बंसल ,मुकेश बंसल बीज वाले ने अपने पिता स्वर्गीय विनोद बंसल बीज वाले की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर शहर की नई सब्जी मंडी स्थित मां अन्नपूर्णा निशुल्क भोजशाला में परिवार के

महिला, पुरुष सदस्यों के साथ पहुंचकर अपने पिता की पुण्यतिथि मनाते हुए अस्पताल में भर्ती रोगियों एवं उनके परिजनों, बुजुर्ग करीब 300 से अधिक जरूरतमंद लोगों को हलवा, पुरी, सब्जी ,पकौड़ी का प्रेम से भोजन करते हुए उन्हें उपहार के रूप में स्टील के टिफिन एवं

नकदी भेंट की।

इस दौरान भोजन शाला समिति के अध्यक्ष बाला साहब, टीकाराम मीणा गैस वाले, के के मित्तल, देवेन्द्र शर्मा, समाजसेवी बबलू शुक्ला, रोवी पाल, नितिन गुप्ता आदि लोगों ने नरेश बंसल परिवार का आभार व्यक्त किया।

सार-समाचार रक्तदान शिविर का आयोजन



भरतपुर, (निर्स)। भरतपुर स्थित विश्व शांति भवन पर प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी इश्चरीय विश्व विद्यालय के तत्वावधान में राजयोगिनी ब्र. कु. कविता दीदी के निदेशन में रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुभाष गर्ग, विधायक, भरतपुर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजयोगिनी ब्र. कु. बबोता दीदी, सह प्रभारी, भरतपुर ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में घनश्याम शर्मा (अतिरिक्त जिला कलेक्टर, भरतपुर), विष्णु सैनी अध्यक्ष, विश्व हिन्दू परिषद, डॉ. मीनाक्षी गुप्ता (डायरेक्टर, सिटी हॉस्पिटल भरतपुर), जीतेन्द्र आठवाल (संरक्षक, बीट्स), कर्नल तेजराम सिंह, जुगल किशोर सैनी डायरेक्टर, सैनी मिष्ठान प्रा. लिमिटेड, राकेश सिंह, वरिष्ठ एडवोकेट,सहित ब्र. कु. प्रवीणा बहन (प्रभारी, डीग), ब्र. कु. गीता बहन (प्रभारी, वैर), ब्र. कु. योगिता बहन (प्रभारी, ओल) डॉ संतोष गुप्ता, डॉ नरेश सिंह एवं उनका समस्त स्टाफ एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ब्रह्माकुमारी प्रवीणा बहिन ने कहा की डॉ दादी प्रकाशमणि जी पुरे विश्व की दादी थी उन्होंने पुरे विश्व को आध्यात्मिक जीवन का दान दिया एवं उनके जीवन के बुद्धियों से मुक्त किया। कार्यक्रम में पूरे दिनभर में 100 से अधिक यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

बजिंदर सिंह को जेल भेजा

भरतपुर, (निर्स)। अटलबंद पुलिस ने प्रोफेट बजिंदर सिंह को मानसा जेल से प्रोडक्शन वारंट पर भरतपुर लाया गया और अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या- 4 में पेश किया। जज ने प्रोफेट बजिंदर को 15 दिन के लिए सेवर जेल भेज दिया।साल 2024 को भरतपुर के सोनार हवेली में घमतिरण का मामला सामने आया था जांच में पता चला कि प्रोफेट बजिंदर सिंह द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था और लोगों को हिंदू धर्म के खिलाफ उकसाया जा रहा था।मौके से कई बाइबल और आपत्तिजनक चीजें बराबद हुई थीं।इस मामले में एफ आई आर करवाने संदीप कुमार के वकील उत्तम सिंह ने बताया की 11 फ़रवरी 2024 को सोनार हवेली में एक धर्मांतरण का मामला पकड़ा था। जिसके बाद 30 फ़रवरी को अटल बंद थाने में मामला दर्ज करवाया था. इस मामले में अटलबंद थाना पुलिस प्रोफेट बजिंदर सिंह को शुक्रवार को चंडीगढ़ जेल से भरतपुर लेकर आई .जो दुकर्म के मामले में जेल में सजा काट रहा है। सोनार हवेली में बच्चे, गरीब महिलाओं, व्यक्तियों और बीमार लोगों को धर्म सभा के नाम पर बुलाया गया था। वहां पर लोगों के लिए खाने की व्यवस्था थी। वहां पर बड़ी-बड़ी टीवी लगाकर प्रोफेट बजिंदर सिंह के वीडियो दिखाए जा रहे थे। वहां मौजूद लोगों को हिन्दू धर्म के देवी देवताओं के खिलाफ नफरत के लिए उकसाया जा रहा था। अपने धर्म के लिए उकसाया जा रहा था। धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था।युलिंस ने मौके से कई लोगों को शांतिगर् की धारा में गिरफ्तार किया गया था। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई थी। जांच में यह सामने आया कि यह कार्यक्रम प्रोफेट बजिंदर सिंह द्वारा कराया जा रहा है। प्रोफेट बजिंदर सिंह के द्वारा ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए पैसे भी दिए जा रहे हैं। जिस खाते में पैसे जा रहा था उसकी जांच की गई तो, यह पता लगा की पिछले कई सालों से करोड़ों रुपये का लेनदेन हो चुका है। बजिंदर सिंह के खातों की जांच में मिला कि उसके खाते में विदेश से पैसा आता है। प्रोफेट बजिंदर सिंह के कई खाते सीज भी किये थे। प्रोफेट बजिंदर सिंह को 15 दिन के लिए सेवर जेल भेज दिया गया है।

श्रीगणेश मेला के लिए चलेगी ट्रेन

गंगापुर सिटी, (निर्स)। श्रीगणेश मेला के अवसर पर रेलवे प्रशासन की ओर से कोटा-मथुरा-कोटा के बीच सुपरफास्ट ट्रेन चलाई जाएगी। ये ट्रेन 26 से 28 अगस्त के बीच दोनों दिशाओं में 3-3 फेरे करेगी। इस ट्रेन का इंद्रगढ, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी सहित अन्य स्टेशनों पर ठहराव होगा। ट्रेन में 7 शयनयान श्रेणी सहित कुल 9 डिब्बे होंगे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया- कोटा मंडल के यात्रियों की सुविधा के लिए गाडी संख्या 02081/02082, कोटा-मथुरा-कोटा श्रीगणेश मेला सुपरफास्ट विशेष ट्रेन का संचालन किया जाएगा।26 से 28 अगस्त तक कुल 3-3 फेरे के लिए इसका संचालन किया जाएगा। गाडी संख्या 02081 (कोटा-मथुरा) कोटा स्टेशन से सुबह 8.45 बजे रवाना होगी। जो 9.38 बजे इंद्रगढ, 10.08 बजे सवाई माधोपुर, 10.58 बजे गंगापुर सिटी, 11.23 बजे श्रीमहावीर जी, 11.35 बजे हिंडौन, 12.05 बजे बयाना व 12.43 बजे भरतपुर स्टेशनों पर ठहरते हुए दोपहर 2.10 बजे मथुरा स्टेशन पहुंचेगी। इस तरह वापसी में गाडी संख्या 02082 (मथुरा-कोटा) मथुरा स्टेशन से शाम 4.15 बजे रवाना होगी। जो 4.43 बजे भरतपुर, 5.13 बजे बयाना, 5.38 बजे हिंडौन, 5.50 बजे श्रीमहावीर जी, 6.30 बजे गंगापुर सिटी, 7.13 बजे सवाई माधोपुर व 7.42 बजे इंद्रगढ स्टेशनों पर ठहरते हुए रात 9.10 बजे कोटा स्टेशन पहुंचेगी।

प्रधान पद हरप्यारी निर्विरोध विजयी

करौली, (निर्स)। मासलपुर पंचायत समिति के प्रधान पद उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी हरप्यारी देवी की निर्विरोध जीत ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। इस ऐतिहासिक परिणाम ने करौली की राजनीति में भाजपा का परचम बुलंद करते हुए यह साबित कर दिया कि क्षेत्र की जनता भाजपा और विकासोन्मुखी नेतृत्व के साथ खड़ी है।इस जीत में करौली के जनप्रिय विधायक दर्शन सिंह गुर्जर की मजबूत पकड़ और प्रभावशाली नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बाबा हंसराम गुर्जर के समर्थ से चली आई परंपरा को आगे बढ़ाते हुए विधायक गुर्जर ने एक बार फिर अपने दबदबे को कायम रखा और विपक्ष को करारी शिकस्त दी।राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह निर्विरोध जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब करौली में कांठोस पूरी तरह खोखली और जनसमर्थन से विहीन हो चुकी है। आमजन ने सर्वजनातीय नेता और लोकप्रिय जनसेवक विधायक दर्शन सिंह गुर्जर के पक्ष में एकजुट होकर यह संदेश दिया कि करौली का विकास और भविष्य भाजपा के साथ ही सुरक्षित है।

बच्चों को खिलाई कृमि नाशक दवा

करौली, (निर्स)। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिलेभर में 19 वर्ष तक के बच्चों को जिकित्सा संस्थानों, आंगनवाडी केंद्रों सभी विद्यालयों में कृमि नाशक दवा एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई गई, कार्यक्रम का जिला स्तरीय शुभारंभज महामांा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल गणेश देवा के फाउण्डेचओ डॉ.जयंतीलाल मीणा ने कृमि नाशक दवा खिलाकर दवा से काफ़ेद से विद्यार्थियों को अवगत कराया। इस मौके पर कार्यक्रम नोडल अधिकारी एवं डिप्टी सीएमएचओ डॉ. सतीश चंद मीणा, सुपीएचसी प्रभारी,डॉ नमो मीणा,डीपीसी -आशा विश्वेंद्र शर्मा, पीएचएम स्नेहलता तिवारी विद्यालय प्रधानाचार्य सहित विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद रहे। इस दौरान विद्यालय के सैकड़ो बच्चों को एल्बेंडाजोल की टेबलेट कईई गई।सीएमएचओ डॉ जयंतीलाल मीणा ने बताया कि कृमि संक्रमण बच्चों के शारीरिक विकास, होमोलोबिन स्तर, पोषण और बौद्धिक विकास पर भी हानिकारक प्रभाव को रोकने हेतु निश्चित समयान्तराल पर कृमि मुक्त (डिवाॉर्मिंग) करने से कृमि संक्रमण के फैलाव को रोका जा सकता है।

पौधारोपण किया

गंगापुर सिटी, (निर्स)। देश के प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर संपूर्ण देश में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आह्वान पर संपूर्ण प्रदेश में चलाई जा रहे हरियाल राजस्थान अभियान के अंतर्गत आमजन निरंतर पौधारोपण कार्यों में अपनी रचि से अभिनव रिकार्ड बना रहे हैं।

पश्चिम मध्य रेल

शुद्ध पत्र

निम्न लिखित ट्रेण्डर जो कि निविदा संख्या- डब्ल्यू/623/15 दिनांक-13.8.2025 के द्वारा प्रकाशित किये गए थे एवं जिन्हें दिनांक 01.09.2025 को खोला जाना था, इन्हे अब रद्दद किया जाता है।

टेंडर संख्या: 169/2025, कार्य का विवरण: कोटा डिवीजन: प्रोविजन ऑफ बेलंस फेसिलिटीज फॉर डिव्यागजन एंड कोटा डिवीजन इन द फॉर डिप्रीडिशन ऑफ डीईएन/ सेन्ट्रल फॉर 14 स्टेशन. (हरता)

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय पश्चिम मध्य रेलवे, कोटा

स्वायं शासित अर्थात एक कृमि रक्तदाता भी और

पश्चिम मध्य रेल

मानिनी कौशिक ने जीता एक और स्वर्ण पदक



जयपुर, 23 अगस्त। मानिनी कौशिक ने 2025 राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में लगातार चौथे वर्ष स्वर्ण पदक जीता साथ ही प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त कर पिछली चार स्टेट चैंपियनशिप में अपने कुल प्राप्त पदकों की संख्या आठ कर ली इसमें से सात स्वर्ण पदक हैं और एक कांस्य पदक है। मानिनी अभी एशियन चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए शिमकेंट कज़ाख़स्तान गई हैं जहाँ वे 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट में व्यक्तिगत एवम टीम स्पर्धा में भाग लेंगी। मानिनी अगले माह वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये निंग्बो चाइना जाएंगी जहाँ वे 50 मीटर 3 इवेंट में हिस्सा लेंगी।

साउथ अफ्रीका में होंगे 2027 वनडे वर्ल्डकप के 44 मैच

नई दिल्ली, 23 अगस्त। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने शनिवार को 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के 8 वैन्यू डिसाइड कर दिए हैं। इसके अनुसार, वर्ल्ड कप के 44 मुकाबले साउथ अफ्रीका के 8 शहरों में खेले जाएंगे, जबकि 10 मैचों का आयोजन नामीबिया-जिम्बाब्वे में होगा। साउथ अफ्रीका में होने वाले मुकाबले जोहान्सबर्ग, ग्रिटोरिया, केप टाउन, डरबन, ग्केबरहा, ब्लोएम्फोर्टेन, ईस्ट लंदन और पार्ल में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के आयोजन के लिए एक स्थानीय कमेटी का गठन भी किया है। वनडे वर्ल्ड कप का पिछला खिताब ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। कंगारू टीम ने 19 नवंबर 2023 में अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मुकाबले में मेजबान भारत को 6 विकेट से हराया था। 5 टूर्नामेंट होस्ट कर चुका है साउथ अफ्रीका साउथ अफ्रीका ने चैंपियंस ट्रॉफी 2009, पहला टी20 वर्ल्ड कप 2007 और 2003 में वनडे वर्ल्ड कप को होस्ट किया है। इसके अलावा, साउथ अफ्रीका ने दो महिला वर्ल्ड कप भी सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। 2005 का 50 ओवर वर्ल्ड कप और 2023 का टी20 वर्ल्ड कप, जिसमें प्रोटीयाज टीम फाइनल तक पहुंची थी लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार गई थी। ने 2027 वर्ल्ड कप कमेटी बनाई साउथ अफ्रीका के पूर्व वित्त मंत्री ट्रेवर मैनुअल को 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप की लोकल ऑर्गनाइजिंग कमेटी का प्रमुख बनाया गया है। की चेयरपर्सन पर्ल माफोशे ने कहा, की सोच है कि हम एक ऐसा ग्लोबल और प्रेरणादायक इवेंट आयोजित करें, जो साउथ अफ्रीका की एकजुटता को दर्शाएगा। नामीबिया को जगह बनाने के लिए क्वालिफायर खेलना होगा साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे की टीम मेजबान के तौर पर पहले से ही टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं, हालांकि नामीबिया को जगह बनाने के लिए अफ्रीकी क्वालिफायर से गुजरना होगा।

28 अगस्त तक फुटबॉल विवाद का समाधान निकालें : सुप्रीम कोर्ट

नेशनल फेडरेशन और स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच राइट्स पर मतभेद

नई दिल्ली, 23 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड से विवाद सुझाने को कहा है। दोनों संस्थान के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट से जुड़ी समस्या चल रही है। इसी वजह से इस सीजन इंडियन सुपर लीग अब तक नहीं खेली गई है। लीग के 11 क्लबों ने को लिखकर बताया है कि वे बंद होने की कगार पर हैं। जस्टिस पी. एस. नरसिम्हा और जॉयमय्या बागची की बेंच ने शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए और

को निर्देश दिया कि वे आपस में चर्चा करें और 28 अगस्त (अगली) सुनवाई की तारीख) तक कोई समाधान निका लें। और के बीच नया एग्रीमेंट नहीं हुआ के 2025-26 सीजन को इसलिए रोक गया है क्योंकि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन और आयोजनकर्ता कंपनी फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड के बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट का नया एग्रीमेंट नहीं हुआ है। 2010 में 15 साल का एग्रीमेंट हुआ था और के बीच 15 साल का समझौता 2010 में हुआ था, जिसके तहत हर साल

को 50 करोड़ रुपए देता है और बदले में उसे भारतीय फुटबॉल (और राष्ट्रीय टीम सहित) का प्रसारण, प्रबंधन और प्रचार का अधिकार मिला है। क्लबों ने को चेतावनी दी 11 क्लबों ने को चेतावनी दी है कि अगर यह विवाद जल्द हल नहीं हुआ, तो वे पूरी तरह बंद होने की स्थिति में आ सकते हैं। क्लबों ने पिछले हफ्ते अध्यक्ष कल्याण चौबे को पत्र लिखकर कहा कि (मास्टर राइट्स एग्रीमेंट) के नवीनीकरण न होने से पैदा हुआ संकट ने भारत में प्रोफेशनल फुटबॉल को

लगभग बंद करा दिया है। क्लबों ने लिखा, पिछले 11 वर्षों में लगातार निवेश और संयुक्त प्रयास से क्लबों ने युवा विकास प्रणाली, ट्रेनिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर और प्रोफेशनल टीमें बनाई हैं, जिससे भारतीय फुटबॉल की साख देश और विदेश दोनों जगह बढ़ी है। उन्होंने आगे कहा, अब यह डेवलपमेंट गिरने के खतरे में है। मौजूदा स्कावट ने गंभीर नतीजे दिए हैं। संचालन उप है और लीग के जारी रहने की कोई गारंटी नहीं है, ऐसे में कई क्लब पूरी तरह बंद होने की कगार पर हैं।

एशिया कप 2025 : भारतीय क्रिकेटर ने चुनी स्पेशल टीम

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को एशिया कप 2025 के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान किया था। इस टीम में श्रेयस अय्यर और यशस्वी जायसवाल को जगह नहीं दी गई। अय्यर का नाम स्टूडेंट्स में भी नहीं था। ऐसे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप के लिए अपनी वैकल्पिक टीम चुनी और अय्यर को टीम का कप्तान बनाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार, 19 अगस्त को एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम का एलान किया। इस टीम में श्रेयस अय्यर को जगह नहीं दी गई। इतना ही अय्यर का नाम रिजर्व खिलाड़ियों की लिस्ट में भी नहीं था। ऐसे में पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप के लिए अपनी वैकल्पिक टीम चुनी और अय्यर को टीम का कप्तान बनाया। आकाश ने अपनी टीम में उन प्लेयर्स को जगह दी है, जिनका सेलेक्शन एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में नहीं हुआ है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में कहा, "शुरुआत करते हैं यशस्वी जायसवाल से। मुझे लगता है कि उनका नाम एशिया कप टीम में भी होना चाहिए था क्योंकि वह टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा थे।

निजी आयोजकों ने स्टेडियम को बनाया महखाना

जयपुर, 23 अगस्त। सर्वाई मानसिंह स्टेडियम स्थित आरसीए क्रिकेट अकादमी पर स्पोर्ट्स कार्डसिल द्वारा निजी आयोजकों को किराए पर क्रिकेट मैच के लिए दिया था लेकिन बरसात होने की वजह से क्रिकेट मैच नहीं खेला जा सका। लेकिन क्रिकेट मैच खेलने आए खिलाड़ियों द्वारा आरसीए अकादमी के बाहर शराब के दौरे शुरू कर दिए गए। कार की डिग्री में शराब के केन निकालकर रोड़ पर ही बरसात में शराब का आनंद लेते रहे। इस प्रकार की घटना का जिम्मेदार कौन है? शनिवार होने के कारण स्पोर्ट्स कार्डसिल के दफ्तर की छुट्टी थी। स्पोर्ट्स कार्डसिल अगर इसी तरह निजी आयोजकों को क्रिकेट अकादमी किराए पर देती रही तो आगे भी किराए के लालच में इसी घटनाएं होती रहेंगी।



कोहली-रोहित के फेयरवेल की चिंता न करें, दोनों फिट हैं : राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड () के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, विराट कोहली और रोहित शर्मा पूरी तरह फिट हैं। वे अभी भी वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं और अच्छे प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में उनके फेयरवेल (विदाई मैच) की बात करना जल्दबाजी है। कोहली और रोहित पहले ही टेस्ट क्रिकेट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके हैं। कुछ दिनों पहले मीडिया रिपोर्ट्स में उनके फेयरवेल मैचों को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। डोमेस्टिक टी-20 लीग यूपी टी-20 को शुक्रवार को दिए गए इंटरव्यू में राजीव ने यह बात कही। फेयरवेल की चिंता करना गलत-राजीव राजीव शुक्ला से जब फेयरवेल मैच को लेकर सवाल किया गया, तब वे बोले उन्होंने अभी तक संन्यास लिया है क्या? रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों वन-डे खेल रहे हैं। उन्होंने संन्यास नहीं लिया है, तो आप उनके फेयरवेल को लेकर



व्यों बात और चिंता कर रहे हैं? की नीति बिल्कुल स्पष्ट है, हम किसी को भी संन्यास लेने के लिए नहीं कहेंगे, उन्हें खुद अपना निर्णय लेना होता है। उन्होंने आगे कहा, फेयरवेल मैच के आयोजन के लिए जब समय आएगा, तब देखेंगे। आप पहले से ही उनका फेयरवेल आयोजित कर रहे हैं। विराट कोहली बहुत फिट हैं, और रोहित शर्मा बहुत अच्छा खेलते हैं। टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद रिटायरमेंट का ऐलान किया था। इसके बाद 7 मई को रोहित और 12 मई को विराट ने टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था। आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में साथ खेले आखिरी बार वनडे में विराट और रोहित चैंपियंस ट्रॉफी दुबई में साथ खेले थे, जहां कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक जड़ा और रोहित ने फाइनल में अर्धशतक बनाया था। के बाद से दोनों ने कोई भी मैच नहीं खेला है। अगली वनडे सीरीज अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होनी है।

एशिया कप से पहले बीमार पड़े शुभमन गिल

नई दिल्ली, 23 अगस्त। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का दलीप टीम में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। मोडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल बीमार हो गए हैं जिस कारण वह 28 अगस्त से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे। गिल को दलीप ट्रॉफी में उत्तरी क्षेत्र की कप्तानी करनी थी, लेकिन उन्होंने ने हाल ही में टीम के फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा चिकित्सा मूल्यांकन कराया था, जिसकी रिपोर्ट भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सौंप दी गई है।

कनाडा में भारतीय तीरंदाजों की स्वर्णिम चमक

अंडर 18 कंपाउंड टीम बनी विश्व विजेता

बीसीसीआई का निर्देश नहीं मानेगा साउथ जोन : दलीप ट्रॉफी टीम में बदलाव नहीं

नई दिल्ली, 23 अगस्त। साउथ जोन के सिलेक्टर्स के निर्देश के बावजूद अपनी दलीप ट्रॉफी टीम में सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल क्रिकेटरों को शामिल नहीं करेंगे। बोर्ड ने एक ईमेल के जरिए सभी स्टेट एसोसिएशन्स को निर्देश दिए थे कि वे अपने-अपने जोन की टीमों में केंद्रीय अनुबंधित भारतीय खिलाड़ियों को भी शामिल करें। ये निर्देश तब जारी किए गए थे, जब साउथ जोन ने केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और साई सुदर्शन जैसे बड़े खिलाड़ियों को अपनी दलीप ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं दी थी। दलीप ट्रॉफी का आयोजन 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाला है। बीसीसीआई के क्रिकेट ऑपरेशंस विभाग के जनरल मैनेजर अभय कुरुविला ने लिखा था। दलीप ट्रॉफी के रतबे को बनाए रखने के लिए सभी उपलब्ध भारतीय खिलाड़ियों को जोनल टीमों में चुना जाना जरूरी है। ऐसे में सभी जोन के संयोजकों से अनुरोध है कि वे यह तय करें कि सभी उपलब्ध भारतीय खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के लिए चुने जाएं। साउथ जोन ने 26 दिन पहले 27 जुलाई को सबसे पहले दलीप ट्रॉफी के लिए टीम का ऐलान किया था। उस टीम में देवदत्त पड्डीकल इकलौते ऐसे खिलाड़ी थे, जो टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं। के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल तिलक वर्मा को इस जोनल टीम का कप्तान बनाया गया था। हालांकि, जब साउथ जोन की टीम जारी हुई थी, तब के निर्देश नहीं आए थे।

हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया वहीं दूसरे क्वाटर् फाइनल में स्तुति भंसाली ने पूजा शर्मा को हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया तीसरे क्वाटर् फाइनल में भुवनेश्वरी ने एनिमा सेमीफाइनल में पहुंचे चौथे क्वाटर् फाइनल में प्रदीप कुमार बोरा ने रजनीश सिंह को 15-10, 15-9 से हरा सेमीफाइनल में प्रवेश किया महिलाओं के एकल में किंजल सूरणा ने प्रियंका पालीवाल को क्वाटर् फाइनल में

3 हजार 7 सौ करोड़रु. की लागत से 9 5 एकड़ में बनेंगे राजस्थान मण्डपम् और जी.सी.सी.

राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में आर्थिक विकास को गति देने के लिए दो नई भूमि आवंटन नीतियों को मंजूरी

जयपुर, 23 अगस्ता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश की आर्थिक समृद्धि, सतत विकास एवं समावेशी प्रगति के विजन डॉक्यूमेंट ‘विकसित राजस्थान/2047’ एवं 2 नीतियों को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही, आगामी विधानसभा सत्र को देखते हुए 3 विधेयकों के प्रारूप के अनुमोदन, परवन बांध दुब क्षेत्र के विस्थापितों की विशेष अनुग्रह राशि स्वीकृत करने तथा युवाओं में उद्यमता को प्रोत्साहन देने से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल,

लक्ष्य रखा गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं को स्वावलंबी बनाने एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध करने के उद्देश्य से विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी प्रदान की गई।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य में सार्वजनिक, सामाजिक, धार्मिक एवं चैरिटेबल संस्थाओं, ट्रस्ट, निजी निवेशकों, कम्पनियों तथा विभिन्न विभागों द्वारा शैक्षणिक, चिकित्सकीय, औद्योगिक, व्यावसायिक और पर्यटन इकाइयों आदि के लिए भूमि आवंटन



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल ने “विकसित राजस्थान/2047” विजन डॉक्यूमेंट का अनुमोदन किया। इसमें 2030 तक राजस्थान को 350 बिलियन डॉलर तथा 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

■ मंत्रिमंडल बैठक में एयरो स्पेक्टर्स गतिविधियों के लिए हवाई पट्टियां लीज आवंटन नीति को भी मंजूरी दी गई।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ तथा जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप राज्य सरकार के ‘विकसित राजस्थान/2047’ विजन डॉक्यूमेंट का मंत्रिमण्डल द्वारा अनुमोदन किया गया।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि इस विजन डॉक्यूमेंट में राजस्थान को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वर्ष 2047 तक 4.3 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का

प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी, एकरूप बनाने के उद्देश्य से “नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न उद्देश्यों के लिए भूमि आवंटन नीति-2025” लाई जा रही है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राज्य में एयरो स्पेक्टर्स गतिविधियों को बढ़ावा देने, वर्तमान में कम उपयोग में आ रही हवाई पट्टियों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और एडवेंचर ट्यूरिज्म को प्रोत्साहन देने के लिए एयरो स्पेक्टर्स गतिविधियों हेतु हवाई पट्टियों की भूमि लीज आवंटन नीति को मंजूरी दी गई है। इस नीति से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया

कि बी-2 बाईपास, जयपुर स्थित रीको की 95 एकड़ भूमि पर राजस्थान मण्डपम्, ग्लोबल कैथेबिलिटी सेंटर, आईटी टावर का निर्माण राज्यस्व सृजन सह विकास मॉडल के आधार पर एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के माध्यम से कराये जाने के प्रस्ताव का कैबिनेट द्वारा अनुमोदन किया गया। इस भूमि पर राजस्थान मण्डपम्, ग्लोबल कैथेबिलिटी सेंटर/आईटी टावर, 5-स्टार होटल, 4-स्टार होटल, आवासीय एवं वाणिज्यिक टावरों का विकास किया

जाएगा। परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 3700 करोड़ रुपए है, जिसमें 635 करोड़ रुपये की भरपाई राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। परियोजना पूर्ण होने की अनुमानित अवधि 30 माह है। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने बताया कि राज्य सरकार वन स्टेट, वन इलेक्शन का लक्ष्य करने की दिशा में निरंतर जरूरी कदम उठा रही है।

इलैक्ट्रॉनिक फार्मास्युटिकल व सोलर एनर्जी के सामान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) है। दोनों देश अमेरिका डॉलर पर निर्भरता कम करने, स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन बढ़ाने और ग्लोबल साइज की संस्थाओं को मजबूत करने वाले कदमों का समर्थन करते हैं। ब्रिक्स की पहल “न्यू डेवलपमेंट बैंक” को भारत का समर्थन प्राप्त है, भले ही उस पर बीजिंग का प्रभाव अधिक हो।

ऊर्जा क्षेत्र इस मेलजोल को और गहरा करता है। भारत की रूस से रियायती कच्चे तेल की बढ़ती खरीद, जो अक्सर रुपये, दरिद्रता या युआन में तय की जाती है, डॉलर-विहीन वित्तीय व्यवस्थाओं की दिशा में चीन की सोच के अनुरूप है। दिल्ली इसे व्यावहारिकता के रूप में देखता है जैसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना, लेकिन इसका समग्र प्रभाव यह होता है कि यह डॉलर वरचस्व को चुनौती देने में चीन के साथ खड़ा दिखता है। वहीं, अमेरिका की आर्थिक नीति ने स्थिति को जटिल बना दिया है।

भारतीय स्टील, रसायनों और दवाइयों पर लागू गए शुल्क भारत के निर्यात के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं। हाल ही में, अमेरिका की ओर से रूस से कच्चे तेल की खरीद पर उपर्ज चेतानियों ने दिल्ली में असंतोख दीपन किया है, जो कहता है कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा को पश्चिमी प्रतिबंधों के अधीन नहीं किया जा सकता।

ये कदम भारतीय नीति निर्माताओं में यह धारणा मजबूत करते हैं कि अमेरिका एक भरोसेपूरे राजनीतिक साझेदार हो सकता है, लेकिन एक आर्थिक साझेदार के रूप में वह अविश्वसनीय है। इसके विपरीत, ब्रिक्स के भीतर चीन की प्रमुख-जैसे स्थानीय मुद्रा व्यापार और वैकल्पिक भुगतान

प्रणाली-भारत को अधिक स्वतंत्रता देती है।

रूस की भूमिका इस संतुलन गतिविधि को और तीव्र करती है। दशकों से, मांस्को भारत का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा है। यूक्रेन युद्ध के बाद से, वह एक प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता भी बन गया है। रूस की चीन पर बढ़ते निर्भरता के कारण भारत की मास्को से नजदीकियाँ अनिवार्य रूप भारत को से बीजिंग के करीब ले आती हैं।

ब्रिक्स जैसे मंचों पर यह त्रिकोणीय संबंध स्पष्ट हो जाता है। रूस और चीन पश्चिमी वर्चस्व को चुनौती देने में एकजुट

हैं, जबकि भारत-चीन से सतर्क रहते हुए भी-आईएमएफ सुधार या डॉलरीकरण-विरोध जैसे मुद्दों पर रूस व चीन के साथ खड़ा होने में सामरिक लाभ देखता है। दिल्ली और बीजिंग में भरोसे का नहीं बल्कि सुविधा नहीं, बल्कि सुविधा जोड़ती है। भारत की यह प्रतीत होती विरोधाभासी नीति-राजनीतिक रूप से अमेरिका से मेल और आर्थिक रूप से चीन से सहयोग-उसकी दीर्घकालिक "रणनीतिक स्वायत्तता" की नीति का ही प्रतिबिंब है। शीत युद्ध के समय से ही भारत ने किसी भी ध्रुवीय गुटबंदी से दूर रहते हुए प्रतिस्पर्धी शक्तियों के बीच

संतुलन बनाए रखने की नीति अपनाई है।

यह संतुलन एक सोची-समझी रणनीति है। सुरक्षा के मोर्चे पर अमेरिका से मेल रखते हुए और वित्तीय स्तर पर चीन के साथ सहयोग करते हुए भारत दोनों से लाभ उठाता है। यह अमेरिका को संकेत देता है कि यदि वह दंडात्मक व्यापार उपाय अपनाएगा, तो भारत चीन के करीब जा सकता है, वहीं यह चीन को बताता है कि अमेरिका के साथ सुरक्षा सहयोग पर कोई समझौता नहीं होगा।

अमेरिका के लिए, ब्रिक्स में भारत की भागीदारी जो डॉलर की प्रधानता को चुनौती देती है, में भारत की भागीदारी

यूरोपीय देश एकजुट होकर अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) पुतिन ने बहुत स्पष्ट रूप से रूस के लिए अपने विजन को व्यक्त किया जो वह अतीत के साम्राज्यों की रोशनी में देख रहे हैं।

इसी के समानांतर, रूस ने, जैसा कि उम्मीद थी, अमेरिका की उस पहल को तुकरा दिया जिसमें अमेरिका की अगुवाई में रूस और यूक्रेन के नेताओं की निपक्षीय बैठक का प्रस्ताव था। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भी ने ऐसा संकेत दिया है।

रूस की स्थिति को विसंगति साफ झलकती है क्योंकि वह एक दुविधा में फंसा हुआ है और कुछ देशों को छोड़कर, यूक्रेन को अधीन करने की कोशिश में रूस पूरी तरह अलग-थलग खड़ा है।

रूसी विदेश मंत्री के बयानों से संकेत मिलता है कि शांति समझौते की बातचीत की संभावनाएँ हो सकती हैं।

रूसी नेता, जो एक माहिर राजनयिक और विदेश नीति के जानकार हैं, ने संकेत दिए

हैं कि वार्ताएँ फिर से शुरू हो सकती हैं। लावरोव ने संकेत दिया कि यूक्रेन ने अब तक उन वार्ता शर्तों को स्वीकार नहीं किया है जो अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रस्तावित की थीं, यानी क्षेत्रीय समझौता और यूक्रेन का नाटो में शामिल न होना। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने इन शर्तों को नहीं माना है।

उन्होंने आगे कहा कि पुतिन शांति वार्ता तभी करेंगे जब शांति की शर्तों का विवरण स्पष्ट हो। यह रूसी भाषा में फिलहाल सीधे वार्ता न करने का संकेत है।

फिर भी, रूस अब उस व्यापक गठबंधन से अवगत है जो यूरोप और रूस में अटलांटिक दोनों और उसके खिलाफ खड़ा है। अमेरिका लगातार शांति समझौते को पूरा करने के लिए उत्सुक रहा है। उसने यूरोपीय देशों और यूक्रेन को ज़मीनी के अदला-बदली वाले समझौते की शर्त स्वीकार करने के लिए मनाने की कोशिश की।

पहले, यूरोपीय देश और यूक्रेन रूस को क्षेत्रों को सौंपने पर किसी समझौते पर नहीं पहुँच सके। वास्तव में, यूक्रेन तो रूस से क्रीमिया को वापस लेने की कोशिश में लगा हुआ था और उसकी सैन्य शक्ति का बड़ा हिस्सा क्रीमिया के संबंधों को पूरी तरह तोड़ने पर केंद्रित था।

खराब लड्डू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) की। उसने जब खुद प्रसाद ग्रहण किया तो पता चला कि लड्डूओं में से बंदवू आ रही थी। इस पर उसने अपने परिचित कैलाश से घी की जांच करने के लिए कहा तो पता चला कि घी खराब था। जिस पर परिव्रादी ने तुरंत ही विपक्षी हलवाई को खराब लड्डू बेचने की शिकायत की। विपक्षी ने उसे कहा कि वे प्रसादी लौटा दें और इसके बदले में उन्हें इसकी कीमत 18,500 रुपए वापस कर दी जाएगी।

उत्तराखंड के चमोली में बादल फटा, जान माल का भारी नुकसान

नयी दिल्ली, 23 अगस्ता। उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली में शुक्रवार देर रात बादल फटने की घटना में सगवाडा तोक के काफलतोली, थराली बाजार, कोटदीप और तहसील थराली परिसर में बारिश का पानी और मलबा घुसने से काफी नुकसान हो गया है और मलब में दबकर लड़की की मौत हो गयी तथा अन्य एक बुजुर्ग अभी भी लापता है। इस प्राकृतिक आपदा की वजह से पूरे इलाके में तबाही मच गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बादल फटने की घटना से थराली बाजार, कोटदीप, और तहसील थराली परिसर में भारी नुकसान हुआ है। तहसील परिसर में उपजिलाधिकारी का आवास और आसपास के कई घरों में भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया। तहसील परिसर, रामलीला मैदान, कोट डीप, चेपड़ो सड़क पर खड़ी

■ मलबे में दबने से एक लड़की की मौत हो गई तथा एक बुजुर्ग लापता है।

कुछ गाड़ियां भी मलबे में दब गये है तेज बहाव और मलबे के कारण कस्बे की सड़कें टूट गयी है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार थराली में देर रात 12 बजकर 48 मिनट पर दुनरी गंदरे में पानी बढ़ ने के कारण तहसीली परिसर एवं चेपड़ो बाजार, कोटडीप बाजार एवं कुछ घरों में मलबा घुस गया। कुछ वाहन भी मलबे में दब गये हैं। राजस्व उपनिरीक्षक, थराली द्वारा बताया गया है कि ग्राम सगवाडा में एक मकान में मलबा आने के कारण एक लड़की की मलबे में दबने से मौत हो गयी और एक अन्य बजुर्ग लापता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली जनपद के जनप्रतिनिधियों से टेलीफोन पर वार्ता कर बादल फटने से हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली।

कोटा संभाग शनिवार को भी बाढ़ ग्रस्त रहा

सेना , एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने 200 से अधिक लोगों को रैस्क्यू किया



कोटा संभाग में लगातार वर्षा होने से कोटा, बूंदी और बारां के कई इलाके बाढ़ग्रस्त हो गए। सेना, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने 200 से ज्यादा लोगों का रैस्क्यू करने के लिए नौकाओं का इस्तेमाल किया।

■ बूंदी जिले के नैनवां व देई कस्बे के पास के गांव जलमग्न हो गये। कोटा जिले में दीगोद के निमोद हरिजी गांव व आसपास के इलाके में आज भी बाढ़ के हालात बने हुए हैं।

कोटा, 23 अगस्त (निसं)। कोटा संभाग में वर्षा का क्रम शनिवार दोपहर तक जारी रहा। कोटा, बूंदी और बारां के कई इलाके बाढ़ ग्रस्त हो गए हैं। जहां पर 8 से 10 फीट पानी भर गया है। लगातार बारिश होने से पानी लगातार बढ़ रहा है।

संभाग में करीब एक दर्जन कच्चे मकान गिर गए हैं। तीन दर्जन के आसपास कच्चे-पक्के मकान में क्षतिग्रस्त हैं। इनमें बारां, बूंदी व और कोटा के मकान शामिल हैं। सेना, एसडीआरएफ व एनडीआरएफ ने यहां पर 200 से ज्यादा लोगों को रैस्क्यू किया है। पूरी रात इन इलाकों में सेना ने ऑपरेशन चलाया है। लोगों को रैस्क्यू करने के लिए नौकाओं का इस्तेमाल किया गया है।

इधर बूंदी जिले में जलप्रलय जैसे हालात हैं। नवलजगार और जैतसागर झीलें उफान पर हैं। झीलें से छोड़े गए हजारों ब्यूक्से पानी ने शहर और गांवों में बाढ़ आ गई है।महावीर कॉलोनी, मजिस्ट्रेट कॉलोनी और देवपुरा जैसे इलाकों में घरों में भारी बारिश से नैनवां और देई कस्बे के आसपास के गांव जलमग्न हो गए। कलेक्टर अश्वय गोदारा, एसपी राजेंद्र कुमार मीणा खुद मौके पर डटे हैं, वहीं, सेना, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टोमें लगातार राहत और बचाव कार्य में लगी हुई हैं। लाखेरी पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र नागर ने बताया कि कस्बे की लालपुलिया और शिवनगर बस्तियों में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए अभियान चलाया गया।

बूंदी पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि सेना के साथ एसडीआरएफ लगातार रैस्क्यू चलाकर बाढ़ और जलभराव वाले इलाकों से

लोगों को निकाल रही है। कई कस्बों और गांवों का मुख्यालय से संपर्क टूटा हुआ है। सेना, एसडीआरएफ लोगों को बचाने में जुटे हुए हैं।

दूसरी तरफ कोटा जिले के दीगोद के निमोद हरिजी गांव और आसपास के इलाके में आज भी बाढ़ जैसे हालात बने हैं। एसडीआरएफ के इंचार्ज अम्मी लाल ने बताया कि उन्होंने शुक्रवार सुबह से ही ऑपरेशन चलाया हुआ था। उनकी टीम सुल्तानपुर, कैथून, दीगोद, बूंदी के कारेन सहित अलग-अलग गांव में तैनात हैं। लगातार बारिश भी हो रही है इसके चलते पानी नहीं उतर रहा है। दीगोद और सुल्तानपुर में अभी भी हालात बिगड़े हुए हैं।

रास्ते बंद होने के चलते 100 से ज्यादा गांवों से का संपर्क टूट गया है। कहीं नदी नाले के उफान ने राह रोकी है तो कहीं बारिश में पुलिया या अन्य स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गया है। कोटा जिले में कोटा श्योपुर का रास्ता बंद है। इससे सुल्तानपुर, दीगोद, इटावा, खातोली और अन्य जगह का सीधा संपर्क कोटा से टूटा हुआ है। इसी तरह से कोटा कैथून मार्ग बंद है जिसके चलते सांगोद का रास्ता भी बंद हो गया।

बारां जिले की बात की जाए तो यहां भी कई रास्ते बंद हैं। बारां जिले में

एन.डी.ए. के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) महासचिव ने कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधियों की अपराध के आधार पर हटाने वाले ये बिल गलत तरीके से बनाए गए हैं और इनका असली निशाना विपक्ष के मुख्यमंत्री और नेता हैं।

आचार्य ने कहा कि संविधान में पहले से ही जनप्रतिनिधियों पर कार्रवाई के पर्याप्त प्रावधान मौजूद हैं। भ्रष्ट नेता को दंड मिलना चाहिए, लेकिन इस बिल से राजनीतिक प्रतिशोध का खतरा बढ़े गा और अस्थिरता पैदा होगी।

आचार्य ने चेतावनी दी कि "ऊपरी तौर पर यह सही लगता है कि भ्रष्ट नेता सत्ता में न रहें, लेकिन असलियत इतनी आसान नहीं है।

ऐसे कानून से राजनीतिक अराजकता और अस्थिरता फैल सकती है।"

अपने सबसे विश्वास...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) दर्शाता है।

गौर की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत और अमेरिका के संबंधों में सहयोग और तनाव दोनों मौजूद हैं। रक्षा सहयोग और इंडो-पैसिफिक रणनीति पर दोनों देश करीब आए हैं, लेकिन शुल्क, ऊर्जा आपूर्ति और रूस तथा ईरान के साथ भारत के आर्थिक संबंधों को लेकर मतभेद बढ़े हुए हैं। ऐसे में राजदूत की भूमिका इन जटिलताओं को संभालने में अहम होगी।

सीनेट की पुष्टि की प्रक्रिया यह तय करेगी कि गौर नई दिल्ली में अपना पद कब तक संभाल पाएंगे। हालांकि उनकी टुप से नजदीकी और राजनयिक अनुभव उनकी कमी के चलते यह नामांकन काफी ध्यान आकर्षित कर सकता है, लेकिन समर्थकों का मानना है कि उनकी संगठन क्षमता और राष्ट्रपति से सीधा संबंध उन्हें अमेरिकी नीतियों को आगे बढ़ाने में एक बड़ी ताकत प्रदान करेगा।

भारत ने इस नामांकन पर औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन नई दिल्ली आमतौर पर उन अमेरिकी राजदूतों का स्वागत करता रहा है जिन्हें राष्ट्रपति का पूर्ण समर्थन प्राप्त हो, क्योंकि इससे संदेश सीधा उच्च स्तर पर पहुंचता है। विश्लेषकों का मानना है कि टुप के करीबी होने के कारण, यदि गौर की नियुक्ति होती है तो उन्हें वाशिंगटन में असाधारण प्रभाव प्राप्त हो सकता है। इस नियुक्ति के माध्यम से टुप ने यह संकेत दिया है कि वे भारत-अमेरिका संबंधों पर व्यक्तिगत रूप से नजर बनाए रखना चाहते हैं। नई दिल्ली के लिए, वाइट हाउस से सीधा संपर्क रखने वाले एक नए दूत का आना नई संभावनाओं के द्वार खोल सकता है, विशेषकर तब जब दोनों देश सहयोग और प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

गौर की नियुक्ति को कई लोग एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देख रहे हैं, विशेष रूप से टुप के साथ उनकी गहरी व्यक्तिगत निकटता के कारण। उज्बेकिस्तान के ताशकंद में जन्मे गौर को मीडिया में शायद सबसे चर्चितशाली व्यक्ति विशेष के बारे में अपने कमी नहीं सुना और मार-आ-लागो के मेयर के

करीब 40 से ज्यादा गांव का संपर्क टूटा हुआ है।

पीपल्स विधायक चेतन पटेल कोलाना का कहना है कि बीषण बारिश हो रही है पर ग्रामीण अपने घरों को छोड़कर नहीं जाना चाहते जबकि पानी काफी है। सभी को अपील कर रहे हैं कि वह घर को छोड़कर और गांव को छोड़कर बाहर आ जाए क्योंकि घर गिर जाएगा तो मुआवजा बाद में लिया जा सकता है। हालांकि लोग घरों में जानवर होने के चलते उन्हें छोड़कर भी नहीं आना चाहते हैं।

खेत पूरी तरह से तालाब बन गए हैं। व्यापारियों को भी काफी नुकसान हो रहा है। बारिश के चलते उनके दुकान मकान में पानी प्रवेश कर गया था जिससे काफी माल खराब हुआ। खेतों में पानी भर जाने के चलते किसानों को नुकसान की भी हो रही है। कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक अतीश कुमार शर्मा का कहना है कि खेत में चावल की फसल में पानी भर जाने से नुकसान नहीं होगा लेकिन दूसरी फसलों में पानी ज्यादा समय तक भरा रहने से नुकसान की आशंका है।

भारी बारिश के कारण पीडब्ल्यूडी, अन्य एजेंसियों की सड़कों और पुलियों के साथ-साथ अन्य स्ट्रक्चर को भी नुकसान पहुंचा है। कोटा संभाग में सैकड़ों किलोमीटर सड़कें खराब हो गई हैं। अब इन्हें अस्थायी दुरुस्त कर चलने लायक बनाया जाएगा। साथ ही स्थाई मरम्मत की भी आवश्यकता रहेगी। पीडब्ल्यूडी कोटा के अधीक्षक अभियंता जगदीश गुप्ता का कहना है कि पहले एक बार असेसमेंट करवाया था, जिसमें कोटा जिले में 1025 किलोमीटर की सड़कों को मरम्मत की जरूरत थी। अब इसमें और बढ़ोतरी होगी।

रूप में बताया गया है। उन्हें टुप के अंतरिक मंडल का एक केंद्रीय व्यक्ति माना जाता है। वे इतने प्रभावशाली हैं कि एनान मस्क ने टुप के साथ अपने मतभेद के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया था।

लेकिन कई रणनीतिक विशेषज्ञ गौर की नियुक्ति से चिंतित हैं। उनकी चिंता क्या है? दोहरी भूमिका को लेकर है। भारत के लिए अमेरिकी राजदूत के रूप में वे एक साथ दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत के रूप में भी कार्य करेंगे, जिससे वे पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और अन्य देशों में अमेरिकी कूटनीति की जिम्मेदारी उठाएंगे।

भारत के पूर्व विदेश सचिव केंवल सिम्बल ने इस कदम की तीखी आलोचना की है। केंवल सिम्बल ने एक्स पर लिखा, “यह पहली बार है जब भारत में कोई अमेरिकी राजदूत दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत भी है। इसका मतलब है कि उसके पास अमेरिकी विदेश विभाग के साथ एंड सेंट्रल एशियन अफेयर्स ब्यूरो के अधिकार क्षेत्र को कवर करने वाला एक व्यापक अधिकार होगा। इसका सीधा अर्थ यह है कि वह इस क्षेत्र में भारत के संबंधों पाकिस्तान और हमारे अन्य पड़ोसियों के साथ, निगरानी करेगा। इसका मतलब यह भी है कि वह इस क्षेत्र में अन्य अमेरिकी राजदूतों के साथ परामर्श और समन्वय करेगा, ताकि एक अधिक एकीकृत दृष्टिकोण विकसित किया जा सके।"

मोदी के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर तेजस्वी यादव ने अग्रदूत टिप्पणी की। पुलिस उपाधीक्षक रक्षपाल सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ कोतवाली तालवेठ में तहरीर दी है, जिस पर आर.जे.डी. नेता व बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ कोतवाली में धारा 173 बी.एन.एस.एस. के तहत एक.आई. आर. दर्ज की गई है व मामले की जांच की जा रही है।